LKS
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com
दैनिक लोकतंत्र की शान
दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 23 जनवरी 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

दावोस में बोले ट्रंपः पीएम मोदी मेरे शानदार दोस्त जल्द होगी भारत-अमेरिका के बीच बड़ी ट्रेड डील

एजेंसी। दावोस

स्विट्जरलैंड के बर्फीले पहाड़ों के बीच आयोजित हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के 56वें वार्षिक शिखर सम्मेलन से एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर प्रशंसा की है और दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापारिक समझौते (ट्रेड डील) के जल्द संपन्न होने की उम्मीद जताई है। शिखर सम्मेलन के दौरान हुई एक विशेष चर्चा में ट्रंप ने पीएम मोदी को अपना एक बेहद शानदार दोस्त बताया और कहा कि वह भारत के साथ संबंधों को लेकर बहुत उत्साहित हैं। ट्रंप ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त करते हुए कहा, पीएम मोदी एक अद्भुत इंसान और मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। हम उनके नेतृत्व का सम्मान करते हैं और बहुत जल्द भारत के साथ अमेरिका की एक बड़ी और प्रभावी ट्रेड डील होने जा रही है। राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान को वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख और मजबूत होते द्विपक्षीय संबंधों के रूप में देखा जा रहा है। ट्रंप का यह सकारात्मक रुख उस समय आया है जब दोनों देशों के बीच व्यापारिक वार्ता एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। हालांकि, इस बहुप्रतीक्षित डील की राह में कुछ चुनौतियां भी बनी हुई हैं। बीते कुछ समय से दोनों देशों के वार्ताकार टैरिफ (शुल्क) की दरों और एक-दूसरे के बाजारों तक पहुंच बनाने जैसे तकनीकी मुद्दों पर आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विशेष रूप से ऊर्जा और कृषि क्षेत्र से जुड़े कुछ मसलों पर दोनों देशों के बीच असहमति के स्वर भी उठते रहे हैं।

लेकिन ट्रंप के ताजा बयान ने यह संकेत दे दिया है कि राजनीतिक स्तर पर इस डील को लेकर काफी इच्छाशक्ति है। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं। मंत्रालय के अनुसार, भारत और अमेरिका पिछले एक साल से अधिक समय से एक संतुलित व्यापार समझौते के लिए निरंतर संपर्क में हैं। दोनों देश एक ऐसी डील के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए फायदेमंद साबित हो। फरवरी 2025 से शुरू हुई इस वार्ता के अब तक कई दौर पूरे हो चुके हैं। अब दावोस में ट्रंप की इन टिप्पणियों के बाद उम्मीद बढ़ गई है कि आने वाले हफ्तों में आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर कोई बड़ा ऐलान देखने को मिल सकता है।

ट्रंप झूठ बोलते-बोलते अब देशों के नाम भी गलत बोलने लगे

दावोस। खुद को दुनिया का शांति दूत बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोलते-बोलते अब देशों के नाम भी गलत बोलने लगे हैं। जिस तरह से वे पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के भाषण में होने वाले शब्दों के उच्चारणों का मजाक उड़ाते थे अब ऐसे ही शब्दों को लेकर सोशल मीडिया पर उनका मजाक उड़ाया जा रहा है। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में ट्रंप की स्पीच के क्लिप्स खूब वायरल हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ट्रंप का यह भाषण पॉलिसी प्वाइंट के लिहाज से चर्चा में था, बल्कि उनकी जुबान की फिसलन उन्हें सुर्खियों में ले आई। खास बात ये है कि डोनाल्ड ट्रंप जिस वजह से पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन का मजाक उड़ाते रहे, उनके साथ वही दिक्कत देखी गई। उनके लंबे संबोधन के दौरान कई ऐसी बातें सामने आईं, जिन्हें लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हुई। अपने भाषण की शुरुआत में ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कूटनीतिक उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि उनके नेतृत्व में कई वैश्विक टकराव खत्म हुए हैं और अमेरिका की स्थिति पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। यहां तक ठीक था लेकिन जैसे-जैसे बात आगे बढ़ी, लोगों का ध्यान ट्रंप की जुबान पर था।

सबसे पहले ट्रंप ने एक देश के नाम का गलत उच्चारण कर दिया। उन्होंने अजरबैजान का नाम बोलते समय उसे 'एबर-बैजान' कह दिया। यह पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। बाद में जब इस पर सवाल किया गया, तो ट्रंप ने इस पर ज्यादा सफाई देने के बजाय अपनी कूटनीतिक उपलब्धियों पर ही जोर देना जारी रखा। इसके बाद ट्रंप ने एक और बड़ी गड़बड़ी कर दी। उन्होंने अपने बयान में ग्रीनलैंड और आइसलैंड को लेकर उल्टा-पुल्टा बोल दिया।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था में हाहाकार

पिछले कुछ दिनों से भारतीय अर्थ व्यवस्था के संकेत एक गहरी चिंता की ओर इशारा कर रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपये में निरंतर गिरावट, पिछले एक सप्ताह में शेयर बाज़ार से विदेशी निवेशकों द्वारा पैसा निकालना एवं भारतीय निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में पैसा डालने के बाद भी शेयर बाजार में निरंतर गिरावट देखने को मिल रही है। शेयर बाजार के असामान्य उतार-चढ़ाव ने न केवल देशी निवेशकों की नींद उड़ा दी है, बल्कि सरकार और आर्थिक नीति-निर्माताओं के लिए भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात ऐसे बन गए हैं, रुपये को संभालने के लिए रिज़र्व बैंक को बार-बार बाज़ार में डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। इसके बाद भी रुपए की गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही। बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 91. 73 पर आ गया। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को गहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ रहा है। आयात ज्यादा हो रहा है, उसके मुकाबले में निर्यात बहुत कम है। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का संकट लगातार बढ़ रहा है।

शेयर बाज़ार का सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को दिन भर सैकड़ों अंकों की गिरावट के साथ झूलता रहा। संस्थागत वित्तीय निवेशकों ने भारी निवेश करके निफ्टी को 25157 तथा बीएसई के सेंसेक्स को 270.64 अंकों की गिरावट के साथ 81124 पर रोकने में सफल हुए। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) लगातार शेयर बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। जिससे शेयर बाज़ार पर दबाव और बढ़ गया है। रुपये की कमजोरी को कभी निर्यात के लिए फायदेमंद बताया जाता था। ज़मीनी हकीकत इसके विपरीत है। भारत का निर्यात उस अनुपात में नहीं बढ़ा, जिस मात्रा में आयात बढा है। जिसके कारण डॉलर के मुकाबले रुपए का तेजी के साथ अवमूल्यन हो रहा है। इसका मतलब साफ है। कमज़ोर रुपया अपने आप में समाधान नहीं, बल्कि निर्यात को और विदेश में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक संकट है। वहीं विदेशी सामान भारत में ज्यादा मात्रा में आयात हो रहा है उसके कारण भारत में कीमतें बढ़ रही हैं। आर्थिक मोर्चे पर सरकारी खजाने की स्थिति भी दबाव में दिख रही है। जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स का संग्रह लक्ष्य से कम है। उपभोक्ता मांग कमजोर पड़ने से खरीददारी घट रही है। इसका सीधा असर टैक्स कलेक्शन पर पड़ रहा है। सरकार को बैंकों और आरबीआई के डिविडेंड पर निर्भर होना पड़ रहा है। सरकारी खजाने की हालत को सुधारने के लिए पेट्रोल-डीज़ल पर करों की संभावित बढ़ोतरी और कस्टम ड्यूटी जैसे निर्णय सरकारी खजाने को राहत तो दे सकते हैं, लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं होगा। सोना, चांदी और डॉलर की कीमतों की तेजी ने सरकार को चिंता में डाल दिया है। निवेशकों और आम जनता का झुकाव सुरक्षित निवेश की ओर होना यह बताता है, कि शेयर बाज़ार और बैंकों के भविष्य को लेकर निवेशकों को अब भरोसा नहीं रहा। बैंकिंग सेक्टर पर दबाव लगातार बढ़ रहा है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा में खाई में गिरा सेना का वाहन, 10 जवान शहीद

डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां भारतीय सेना का एक कैस्पर वाहन गहरी खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में 10 जवान शहीद हो गए, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मिली जानकारी के अनुसार सेना का यह वाहन भद्रवाह—चंबा मार्ग से होकर एक ऊंची पहाड़ी पोस्ट की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि सड़क की हालत पहले से ही काफी खराब थी। तभी अज्ञात कारणों से चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कैस्पर करीब 200 फीट गहरी खाई में गिर गया। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया। खाई में गिरे जवानों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज़ी से चलाया गया। घायल सैनिकों को पहले नजदीकी मेडिकल सेंटर ले जाया गया, बाद में बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा देने के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं हादसे में जवानों की शहादत पर गहरा दुख जताया गया है।

पाकिस्तान के कराची में शॉपिंग प्लाजा की आग में मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हुई

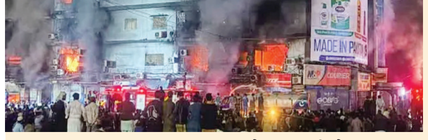

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में एमए जिन्ना रोड पर स्थित गुल शॉपिंग प्लाजा में लगी भीषण आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 61 हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को पुष्टि की कि इमारत के अंदर एक ही दुकान से 30 शव बरामद किए गए हैं। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण) असद रजा ने बताया कि शव एक क्रॉकरी की दुकान में मिले हैं। इसके बाद मलबे को हटाने का काम अस्थायी रूप से रोक दिया ताकि पहले शवों को निकाला जा सके। उन्होंने बताया कि ऐसा लगता है कि आग लगने के बाद कई लोगों ने धुएं और आग से बचने की कोशिश में खुद को दुकान के अंदर बंद कर लिया। उपायुक्त (दक्षिण) जावेद नबी खोसो ने घोषणा की कि रेस्क्यू 1122 को प्लाजा में आखिरी तलाशी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पूरा होने के बाद बिल्डिंग को गिरा दिया जाएगा। ढांचे को गिराने की जिम्मेदारी सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी की होगी। वैसे भी प्लाजा का 40 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा ढह चुका है। प्लाजा की छत से 32 वाहन और कई बड़े जनरेटर हटा दिए हैं। उपायुक्त ने कहा कि पास के रामपा प्लाजा को अस्थायी रूप से सील कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत 10 हजार किमी से अधिक ग्रामीण सड़क निर्माण को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV (पीएमजीएसवाई -IV) के तहत जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम में 10,000 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों के निर्माण को मंजूरी दी है। इन सड़कों के बनने से देश के करीब 3,270 गांव और बस्तियों को पहली बार पक्की सड़क की सुविधा मिलेगी। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को एक्स पर साझा की गई जानकारी में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पीएमजीएसवाई ग्रामीण भारत की कनेक्टिविटी को विस्तार देने का सशक्त माध्यम बनी है। पीएमजीएसवाई -IV के तहत 10,000 किलोमीटर से अधिक सड़क परियोजनाओं को मिली स्वीकृति ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन स्वीकृत परियोजनाओं से जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश की लगभग 3270 असंबद्ध बसावटों का पक्की सड़क से जुड़ जाने से ग्रामीणों को विकास के विभिन्न संसाधनों का लाभ मिलना आसान होगा। पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित ये सड़कें पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक केवल आवागमन को सुदृढ़ नहीं कर रहीं, बल्कि विकास, अवसरों और समावेशी प्रगति के नए द्वार भी खोल रही हैं। इस योजना के तहत मैदानी इलाकों में 500 से ज्यादा आबादी वाले गांव, पहाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों में 250 से ज्यादा आबादी वाले गांव, आदिवासी, आकांक्षी जिले, रेगिस्तानी क्षेत्र और नक्सल प्रभावित इलाकों में 100 से अधिक आबादी वाले गांव को सड़क से जोड़ा जाएगा।

इस्पात संयंत्र में भीषण विस्फोट, छह की मौत, पांच गंभीर

एजेंसी। बलौदाबाजार

जिले में एक दर्दनाक औद्योगिक हादसा हो गया। भाटापारा ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम बकुलाही स्थित एक इस्पात संयंत्र में क्लिनिकल फर्नेस संचालन के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि संयंत्र परिसर में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद कामकाज पूरी तरह ठप हो गया और मजदूरों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, भाटापारा ग्रामीण पुलिस और अतिरिक्त पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचे। प्रशासन की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को पहले भाटापारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें बिलासपुर रेफर कर दिया गया। हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि इस मामले की गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं, और मजदूरों की मौत की असल वजह क्या है—इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच जरूरी है। कलेक्टर दीपक सोनी और एसपी भावना गुप्ता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हुई है और पांच मजदूर घायल हैं। फिलहाल पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। संयंत्र प्रबंधन से भी पूछताछ की जा रही है और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान इस प्रकार की गई है— मोटाज अंसारी (26), बढ़ई – एमएस सराफत अंसारी (32), बढ़ई – एमएससाबिर अंसारी (37), बढ़ई – एमएस कल्पू भुइया (51), हेल्पर रामू भुइया (34), हेल्पर (एक अन्य मृतक की पहचान की प्रक्रिया जारी है) लगातार हो रहे औद्योगिक हादसों ने एक बार फिर कारखानों में सुरक्षा इंतजामों और मजदूरों की जान की कीमत पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने संस्कृत सुभाषित साझा कर बताया, एक बेटी दस पुत्रों के समान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज बेटियों के सम्मान और सामर्थ्य को रेखांकित करते हुए कहा कि कन्या को लक्ष्मी मानने वाले भारत में आज ही के दिन 11 वर्ष पहले बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की गई थी। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए गर्व का विषय है कि आज भारत की बेटियां हर क्षेत्र में नित नए रिकॉर्ड बना रही हैं और राष्ट्र की प्रगति में अहम भूमिका निभा रही हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर संस्कृत में एक सुभाषित साझा करते हुए भारतीय संस्कृति में बेटी के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने लिखा, दशपुत्रसमा कन्या दशपुत्रान् प्रवर्धयन्। यत् फलम् लभते मर्त्यस्तल्लभ्यं कन्ययैकया। इस सुभाषित का अर्थ है कि एक कन्या दस पुत्रों के समान होती है। अर्थात, किसी व्यक्ति को दस पुत्रों से जो पुण्य, यश और संतोष प्राप्त होता है, वही सब एक पुत्री से भी प्राप्त हो सकता है। यह सुभाषित भारतीय समाज की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें बेटी को बोझ नहीं बल्कि गौरव और शक्ति का स्रोत माना गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान ने बीते 11 वर्षों में समाज में बेटियों के प्रति सोच बदलने और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य व समान अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

डाक विभाग का चालू वित्त वर्ष में 30 फीसदी राजस्व वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को कहा कि डाक विभाग ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व में 30 फीसदी वृद्धि हासिल करने का लक्ष्य रखा है। विभाग का लक्ष्य 17,546 करोड़ रुपये का है, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 13,240 करोड़ रुपये की तुलना में एक ही वर्ष में 30 फीसदी अधिक है। सिंधिया ने यहां डाक विभाग की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) समीक्षा बैठक के बाद कहा कि छह में से पांच क्षेत्रों में राजस्व वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि अमेरिकी सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय डाक का राजस्व स्थिर रहा। उन्होंने कहा कि 2023-24 में विभाग का राजस्व 12,800 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 13,240 करोड़ रुपये हुआ। यह मात्र तीन फीसदी की वृद्धि थी। अब विभाग ने इसे दस गुना बढ़ाकर 30 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल डाक विभाग सरकार के लिए व्यय केंद्र है, लेकिन अगले चार से पांच वर्षों में इसे लाभ केंद्र बनाने का लक्ष्य है। पिछले वित्त वर्ष की तीन तिमाहियों में विभाग का कुल राजस्व 9,300 करोड़ रुपये था, जबकि इस वर्ष तीन तिमाहियों में यह बढ़कर 10,200 करोड़ रुपये हो गया है।

चुनाव आयोग ने लॉन्च की ईसीआईनेट ऐप, एक जगह मिलेगी सभी सुविधाएं

एजेंसी। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को अपनी 40 से अधिक विभिन्न प्रकार की ऑनलाइन सुविधा मुहैया करने वाली ऐप्स को एक साथ जोड़ते हुए बनाई गई ईसीआईनेट एप्लीकेशन को औपचारिक तौर पर लॉन्च कर दिया। दिल्ली में लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान भारत मंडपम में ऐप को औपचारिक तौर पर लॉन्च किया गया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दुनिया के चुनाव प्रबंधन निकायों को भारत की पहल का लाभ उठाने के लिए भी आमंत्रित किया। चुनाव आयोग आवेदन करने वाले निकायों के लिए उनकी आवश्यकता, कानूनी प्रतिबद्धताओं और भाषा के अनुसार इस ऐप को डेवलप करने को तैयार है। कुमार ने कहा कि ईसीआईनेट में चुनाव से जुड़ी हर जानकारी लगभग रियल-टाइम में उपलब्ध होगी। बिहार विधानसभा चुनाव में इसका बीटा वर्जन आजमाया गया था। हमने लोगों से सुझाव भी मांगे थे। 15 हजार से अधिक सुझाव प्राप्त हुए हैं। उन्होंने अन्य देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों को भी यह प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने की पेशकश की, ताकि वे अपने कानून और भाषा के अनुसार इसे विकसित कर सकें। उन्होंने कहा कि सुझावों का स्वागत है और ईसीआईनेट को लगातार बेहतर बनाया जाएगा। चुनाव आयुक्त डॉ सुखबीर सिंह संधू ने कहा कि आज के समय में ऐप्स जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं और चुनाव प्रक्रिया भी इससे अछूती नहीं रह सकती।

बाजार में बिक रहीं 167 दवाओं के नमूने फेल, गुणवत्ता खराब स्तर की पाई गई

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में बिक रहीं 167 दवाओं के नमूने फेल पाए गए हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की ओर से की गई जांच में यह बात सामने आई है कि इनकी गुणवत्ता खराब स्तर की है। दिसंबर 2025 को लेकर यह अलर्ट स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। मिनिस्ट्री का कहना है कि दवाओं के 74 सैंपल तो केंद्रीय ड्रग्स एजेंसी ने फेल कर दिए हैं और 93 सैंपल राज्यों की अथॉरिटीज ने खराब बताए हैं। इस तरह देश भर में कुल 167 दवाओं को फेल बताया है। इन दवाओं की सीडीएससीओ ने अपने पोर्टल पर जारी की है। हर महीने ही संस्था की ओर से ऐसी दवाओं की सूची जारी की जाती है, जिनके नमूने फेल पाए जाते हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने इन दवाओं की सीडीएससीओ पोर्टल पर जारी की

मंत्रालय के मुताबिक जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए हैं, उन्हें एक या उससे ज्यादा पैरामीटर्स पर स्टैंडर्ड से कमजोर पाया गया। इन दवाओं को एनएसक्यू यानी नॉट ऑफ स्टैंडर्ड क्वॉलिटी पाया गया। नोटिस में यह भी कहा गया है कि सरकारी लैब में दवाओं के जिस बैच को टेस्ट किया गया, वह फेल निकले। इसका अर्थ यह नहीं है कि बाजार में उपलब्ध दवाओं को लेकर किसी तरह की चिंता की जरूरत नहीं है। हर महीने ऐसा एक रूटी क्वॉलिटी टेस्ट होता है, जिसमें दवाओं के परीक्षण किया जाता है और उनकी सूची जारी की जाती है। उत्तर भारत में गाजियाबाद की लैब में चार ऐसे सैंपल पाए गए हैं। इसके अलावा अहमदाबाद, बिहार और महाराष्ट्र से भी कई नमूने फेल पाए गए। इन दवाओं को अनऑथराइज्ड संस्थाओं की ओर से तैयार किया जा रहा था। इसके लिए दूसरे ब्रांड्स का नाम भी इस्तेमाल गैर-कानूनी तरीके से किया जा रहा था। इस मामले की जांच जारी रही है और कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। राज्य स्तरीय रेगुलेटरीज के साथ मिलकर हर महीने ही इस तरह की टेस्टिंग की जाती है।

म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर फंसे भारतीय, औवेसी ने उठाया मुद्दा

नई दिल्ली। रोज़गार के नाम पर धोखाधड़ी करके ले जाये गये 16 भारतीयों को थाईलैंड-म्यांमार सीमा पर किसी जगह बंधक बना कर बंधुआ मजदूरी कराये जाने का एक मामला प्रकाश में आया है। ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लमीन (एआईएमआईएम) के नेता असद्दुदीन औवेसी ने गुरुवार को एक्स पर अपने हैंडल पर यह जानकारी दी और विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने अनुरोध किया है कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करेंऔर सभी भारतीय नागरिकों की वापसी सुनिश्चित करायें। ओवैसी ने एक्स हैंडल पर लिखा कि उन्हें एक दुखद समाचार मिला है कि हैदराबाद के तीन व्यक्तियों सहित 16 भारतीय नागरिक म्यांमार-थाईलैंड सीमा पर किसी जगह कैद में है। इन्हें नौकरी का वादा देकर थाईलैंड ले जाने के बहाने यहां लाया गया था। वहां इनसे जबरन 18 से 20 घंटे काम कराया जा रहा है। उन्हें शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही है। उनका पासपोर्ट और फोन छीन लिया गया है और मेडिकल सुविधाओं से उन्हें वंचित रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकारी सज्जाद अली से मिली है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

खास खबर

ईडी के समन मामले में अरविंद केजरीवाल बरी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन पर पेश नहीं होने के मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी की ओर से जारी समन के मामले में बरी कर दिया है। एडिशनल ज्युडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास पारस दलाल ने केजरीवाल को बरी करने का आदेश दिया। दरअसल, ईडी ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के पहले ईडी ने केजरीवाल को पूछताछ के लिए जारी समन पर पेश न होने के चलते दो शिकायतें कोर्ट में दाखिल की थी। केजरीवाल के खिलाफ ये मामला ईडी के समन की अवहेलना करने का है। ये शिकायत केजरीवाल के खिलाफ उनकी गिरफ्तारी से पहले दायर की थी। ईडी ने केजरीवाल के खिलाफ दो शिकायतें दर्ज की थी। 7 फरवरी, 2024 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की पहली शिकायत पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया था। दिल्ली आबकारी घोटाला के मामले में ईडी ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को 4 अक्टूबर, 2024 को उनके सरकारी आवास पर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। ईडी ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को 9 मार्च, 2023 को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी, 2023 को गिरफ्तार किया था। इस मामले में केजरीवाल, सिसोदिया और संजय सिंह समेत सभी आरोपितों को जमानत मिल चुकी है।

दिल्ली के राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में गूंजेगा 'वंदे मातरम्' का उद्घोष

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय इस बार गणतंत्र दिवस परेड में 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' विषय पर अपनी विशेष झांकी प्रस्तुत करेगा। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार यह झांकी राष्ट्रीय गीत को भारत की सभ्यतागत स्मृति, सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक निरंतरता की एक जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में दुनिया के सामने रखेगी। मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने कहा, "भारत की झांकियां केवल औपचारिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्र की सभ्यतागत स्मृति के चलते-फिरते अभिलेख हैं। संस्कृति गणराज्य का केवल अलंकरण मात्र नहीं, बल्कि उसकी जीवंत आत्मा है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि जहां अन्य झांकियां उपलब्धियां दिखाती हैं, वहीं संस्कृति मंत्रालय विचारों और ऐतिहासिक अनुभवों को एक साझा दृश्य भाषा में पिरोता है। अग्रवाल ने वंदे मातरम् के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक शक्ति है। अरविंदो ने भी इसे सामूहिक चेतना जगाने वाला मंत्र माना था। 'सुजलाम्-सुफलाम्' के भाव के साथ इस गीत ने राष्ट्र को 'माता' के रूप में कल्पित किया और औपनिवेशिक काल में भारतीयों के भीतर आत्मसम्मान और साहस का संचार किया।इस दौरान झांकी के अग्र भाग पर वंदे मातरम् की मूल पांडुलिपि को प्रदर्शित किया जाएगा। झांकी के साथ देश के चारों दिशाओं से आए लोक कलाकार भारत की विविधता को प्रदर्शित करेंगे। वर्ष 2021 से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) को इस झांकी की परिकल्पना और निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने बताया कि यह झांकी किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे देश की सामूहिक भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा, "गणतंत्र दिवस 2026 की यह प्रस्तुति स्वतंत्रता संग्राम की गूँजों को वर्तमान के दायित्वों और भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ने का एक प्रयास है। वंदे मातरम् अब केवल एक गीत नहीं, बल्कि सशक्त भारत की अखंडता का उद्घोष बनकर उभरेगा।" डॉ. जोशी ने कहा कि 150 वर्षों की इस यात्रा के माध्यम से संस्कृति मंत्रालय राष्ट्रीय गीत को एकता और शाश्वत चेतना के प्रतीक के रूप में पुनः स्थापित करना चाहता है। यह झांकी देशवासियों को न केवल आजादी की याद दिलाएगी, बल्कि उसके योग्य बने रहने का आह्वान भी करेगी।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान जन आंदोलन बना : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के 11 वर्ष भारत की सामाजिक चेतना में आए सकारात्मक परिवर्तन के सशक्त प्रतीक हैं। यह अभियान आज एक सरकारी योजना से आगे बढ़कर जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है। इसने सामाजिक दृष्टिकोण में व्यापक परिवर्तन लाते हुए बेटियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर गुरुवार को पोस्ट करते हुए कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहरा रही हैं। वे खेल के मैदानों में पदक जीत रही हैं, विज्ञान और तकनीक में नवाचार कर रही हैं, कॉर्पोरेट जगत में नेतृत्व कर रही हैं और सीमाओं पर देश की रक्षा में तैनात हैं। शिक्षा से लेकर उद्यमिता तक बेटियों की बढ़ती भागीदारी नए भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने नारी शक्ति के सशक्तीकरण और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रधानमंत्री का हृदय से आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि बेटियों की यही सफलता और स्वावलंबन विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा। उल्लेखनीय है कि 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के घटते लिंगानुपात की समस्या को दूर करना, उन्हें शिक्षित करना और सशक्त बनाना है।

मुख्यमंत्री ने आजादपुर में आधार सेवा केंद्र का किया उद्घाटन

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को आजादपुर में आधार सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि अब लोगों को अपने घर के पास ही जरूरी डिजिटल सेवाएं सरल और सुविधाजनक तरीके से मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आधार' आज गरीब के अधिकार, सम्मान और सरकारी योजनाओं का मजबूत आधार बन चुका है। इससे केंद्र और दिल्ली सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना लीकेज, सीधे और पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों तक पहुंचता है। इस अवसर पर विधायक अशोक गोयल देवराहा समेत स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

अशोक लेलैंड ने प्रतिष्ठित टॉरस और हिप्पो हेवी-ड्यूटी ट्रकों को फिर से किया लॉन्च

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : राष्ट्रीयः हिंदुजा समूह की भारतीय प्रमुख कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता अशोक लेलैंड ने आज अपने दो सबसे प्रतिष्ठित ट्रकों—टॉरस और हिप्पो—को पुनः लॉन्च किया। आधुनिक युग के अनुरूप पुनर्जीवित किए गए ये ट्रक, जहां टॉरस उच्च हॉर्सपावर टिपर सेगमेंट का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं हिप्पो ट्रैक्टर पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करता है। इनका पुनः आगमन उन नामों की वापसी है, जो दशकों से मजबूती और भरोसे का पर्याय रहे हैं—अब अत्याधुनिक तकनीक के साथ, भारत की बदलती आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए। इन वाहनों का अनावरण श्री शेनू अग्रवाल, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, अशोक लेलैंड ने श्री संजीव कुमार, प्रेसिडेंट – एमएचसीवी और सुश्री माधवी देशमुख, नेशनल सेल्स हेड की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित ग्राहक, डीलर और मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद थे। उच्च उत्पादकता, बेहतर अपटाइम, श्रेष्ठ ईंधन दक्षता और उन्नत ड्राइवर आराम के साथ, नया टॉरस और हिप्पो रेंज फ्लीट ऑपरेटरों को बेहतर लाइफसाइकिल इकॉनॉमिक्स और अधिक लाभप्रदता प्रदान करने के लिए इंजीनियर किया गया है। अशोक लेलैंड के उन्नत एवीटीआर मॉड्यूलर ट्रक प्लेटफॉर्म पर आधारित यह रेंज, विभिन्न कॉन्फ़िगरेशन और फीचर विकल्पों के माध्यम से अधिक लचीलापन प्रदान करती है। टॉरस और हिप्पो दोनों की बुकिंग और डिलीवरी भारत भर में अशोक लेलैंड डीलरशिप्स के माध्यम से उपलब्ध होंगी। श्री शेनू अग्रवाल, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, अशोक लेलैंड ने कहा, "टॉरस और हिप्पो खनन, अवसंरचना और निर्माण जैसे हेवी-ड्यूटी अनुप्रयोगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर विशेष रूप से बनाए गए हैं। नया ट्रक रेंज अशोक लेलैंड के ए-सीरीज़ 6-सिलेंडर इंजनों से सुसज्जित है, जो उद्योग में अग्रणी पीक टॉर्क और पावर प्रदान करते हैं। इससे बेजोड़ टिकाऊपन, विश्वसनीयता, उच्च उत्पादकता और तेज़ टर्नअराउंड टाइम सुनिश्चित होता है।" श्री संजीव कुमार, प्रेसिडेंट – एमएचसीवी, अशोक लेलैंड ने कहा, "हिप्पो और टॉरस सिर्फ उत्पादों के नाम नहीं हैं; ये वे दिग हैं जिन्होंने पीढ़ियों से भारतीय ट्रांसपोर्टरों का विश्वास जीता है। ये नाम भारतीय हाईवे और खनन स्थलों पर हेवी-ड्यूटी प्रदर्शन का पर्याय बन गए थे, और हम उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। टिपर और ट्रैक्टर एमएचसीवी उद्योग के सबसे तेज़ी से बढ़ते सेगमेंट हैं और भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में इनकी अहम भूमिका है। कठोर भू-भाग और अत्यधिक परिस्थितियों में चलने वाले इन वाहनों के लिए श्रेष्ठ विश्वसनीयता, मजबूती और ड्राइवर आराम आवश्यक है। नया टॉरस और हिप्पो उस ऐतिहासिक मजबूती को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ते हैं। हमने संचालन में आसानी, ड्राइवर की थकान में कमी और कंपोनेंट लाइफ में उल्लेखनीय सुधार किया है। उच्च ड्राइवट्रेन टिकाऊपन और तेज़ टर्नअराउंड टाइम जैसे फीचर्स सीधे तौर पर अधिक अपटाइम और बेहतर लाभप्रदता सुनिश्चित करेंगे। यह लॉन्च ग्राहक-केंद्रित नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।" दशकों की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता और मजबूत राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ, अशोक लेलैंड वाणिज्यिक वाहन उद्योग में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर रहा है। टॉरस और हिप्पो के साथ, अशोक लेलैंड न केवल अपने नेतृत्व को मजबूत करता है, बल्कि हाई-हॉर्सपावर एमएचसीवी सेगमेंट में नए मानक भी स्थापित करता है।

'राष्ट्रीय मनरेगा मजदूर' सम्मेलन में मनरेगा खत्म करने के खिलाफ बुलंद हुई आवाज़, देशभर से जुटे श्रमिक

लोकतंत्र की शान, संवाददाता जीशान अली

नई दिल्लीः कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने देश के मजदूरों से आह्वान किया कि वे मनरेगा कानून की बहाली के लिए एकजुट होकर उसी तरह संघर्ष करें जैसे किसानों ने तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ किया था। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि पूरी कांग्रेस पार्टी मजदूरों के साथ खड़ी है और मनरेगा को उसके पुराने स्वरूप में बहाल कराने के लिए संसद से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ी जाएगी। कांग्रेस नेता गुरुवार को दिल्ली के जवाहर भवन में 'रचनात्मक कांग्रेस' द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय मनरेगा मजदूर' सम्मेलन में देशभर से आए मनरेगा मजदूरों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों मनरेगा मजदूरों और कार्यकर्ताओं ने मोदी सरकार द्वारा मनरेगा के स्थान पर लाए गए वीबी ग्राम जी कानून का विरोध किया। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार नए कानून के जरिए गरीबों को फिर से बंधुआ मजदूर बनाकर अमीरों के हाथों में सौंपने जा रही है, ताकि वे उनकी मर्जी से काम करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण गरीबों, दलितों, पिछड़ों और कमजोर वर्गों के सम्मान व अधिकार से जुड़ा कानून था। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब किसी सरकार ने राष्ट्रपिता के नाम पर बनी योजना से उनका नाम हटाने की हिमाकत की है। मनरेगा को खत्म करना सिर्फ कमजोर तबकों पर प्रहार नहीं, बल्कि गांधी जी के ग्राम स्वराज की सोच पर हमला करने की साजिश है। बीते वर्षों में मोदी सरकार द्वारा मनरेगा योजना को कमजोर करने वाले कदमों को बताते हुए राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा कि डिजिटल अटेंडेंस और आधार पर आधारित भुगतान प्रणाली जैसी पेचीदगियों के बहाने लाखों मजदूरों को सूची से बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी को महंगाई सूचकांक से नहीं जोड़ा गया। सरकार 100 दिन के रोजगार की गारंटी देने में भी विफल रही है और आज औसतन 40-45 दिन ही काम दिया जा रहा है, जबकि अब 125 दिन काम देने की बात की जा रही है। उन्होंने इसे गरीबों को भ्रमित करने का प्रयास बताया और कहा कि नए कानून के तहत साल में दो महीने तो काम मिलेगा ही नहीं।

पेनांग रोडशो के ईयर 2026 के 9वें एडिशन से भारत में मलेशिया के लिए बिजनेस इवेंट्स और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली, भारतः 'सिंपली पेनांग' थीम के तहत, पेनांग कन्वेंशन एंड एग्जीबिशन ब्यूरो (PCEB) पेनांग रोडशो टू इंडिया 2026 के 9वें एडिशन को लीड कर रहा है, जो भारतीय मार्केट के लिए पेनांग के लंबे समय से चले आ रहे कमिटमेंट को फिर से दिखाता है और टूरिज्म और बिजनेस इवेंट्स में दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करता है। 19 से 27 जनवरी 2026 तक होने वाले इस रोड शो में भारत के चार बड़े शहर शामिल होंगे मुंबई (19 जनवरी), नई दिल्ली (21 जनवरी), कोच्चि (23 जनवरी) और चेन्नई (27 जनवरी)। इस प्रोग्राम में इन चार शहरों में 800 से ज़्यादा क्वालिफाइड खरीदार और 100 से ज़्यादा मीडिया रिप्रेजेंटेटिव शामिल होंगे, जो पेनांग को सीधे लेज़र, कॉर्पोरेट, इंसेंटिव और मीटिंग सेक्टर के डिसीजन-मेकर्स से जोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने मुनक नहर के पुनरुद्धार, छठ घाट के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार को ड्राई मुनक नहर के पुनरुद्धार एवं छठ घाट के विकास, सर्विस रोड के निर्माण तथा सिंगलपुर पुल के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि छठ पूजा, दुर्गा पूजा और गणेश पूजा जैसे हमारे पर्व हमारी पहचान हैं। यह नया छठ घाट लोगों की आस्था, परंपरा और संस्कृति का केंद्र बनेगा। ड्राई मुनक नहर के पुनरुद्धार से यह क्षेत्र साफ, सुंदर और उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों से शालीमार बाग, पीतमपुरा, केशवपुरम, नेताजी सुभाष प्लेस, पंजाबी बाग और कोहाट एन्क्लेव के आसपास रहने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। यहां एक साथ 3,000 से 4,000 लोग मॉर्निंग वॉक के लिए आ सकेंगे। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था भी बेहतर होगी। इस मौके पर सांसद प्रवीण खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, विधायक पूनम भारद्वाज, केशवपुरम जिलाध्यक्ष अजय खटाना उपस्थित रहे।

प्रेस प्रिव्यू में राजस्थान की झांकी बनी आकर्षण का केन्द्र

» "मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श" विषय पर बीकानेर की उस्ता कला का भव्य प्रदर्शन

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कर्तव्य पथ पर प्रस्तुत की जाने वाली "राजस्थानः मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श" विषयक राजस्थान की झांकी गुरुवार सायं दिल्ली कैंट स्थित आर.आर. कैम्प रंगशाला में आयोजित प्रेस प्रिव्यू के दौरान सभी के आकर्षण का केंद्र बनी। बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई इस झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्टा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है। ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं। झांकी के चारों ओर गेर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकारों ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह झांकी पारंपरिक कला, लोक संस्कृति और शाही विरासत का सजीव संगम बनकर सामने आई।

किराड़ी जलभराव के स्थायी समाधान की कार्ययोजना को मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने किया सार्वजनिक

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। किराड़ी विधानसभा क्षेत्र में जलभराव को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक दावों और राजनीतिक रूप से प्रेरित गलत सूचनाओं के बीच दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दस्तावेजी तथ्यों के साथ सच्चाई सामने रखी। उन्होंने पिछली आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार के दौरान 11 वर्षों की घोर अनदेखी को उजागर करते हुए जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए स्पष्ट और समयबद्ध कार्ययोजना को सार्वजनिक किया। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से किराड़ी को लेकर सोशल मीडिया पर झूठे नैरेटिव फैलाए जा रहे हैं। आज मैं तथ्यों के साथ सच्चाई रिकॉर्ड पर रख रहा हूं। उम्मीद है कि विपक्ष के नेता खासकर आआपा के लोग, इसे ध्यान से देख रहे होंगे। मंत्री ने बताया कि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले 11 वर्षों में किराड़ी में सीवरेज से जुड़े रख-रखाव के कार्यों पर मात्र 43 लाख रुपये खर्च किए गए, जबकि यह क्षेत्र दशकों पुराना है और लंबे समय से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझता रहा है। उन्होंने कहा कि किराड़ी की कॉलोनियां वर्ष 2000 से भी पहले अस्तित्व में थीं। सरकारें बदलीं, लेकिन कोई भी सरकार एक समग्र सीवर नेटवर्क नहीं बना सकी। कांग्रेस और आआपा दोनों के शासन में दीर्घकालिक योजना का पूरी तरह अभाव रहा। प्रवेश साहिब सिंह ने यह भी कहा कि पिछले एक दशक में मीडिया रिपोर्ट्स में हर साल वही तस्वीरें देखने को मिलीं- जलमग्न सड़कें, डूबे हुए घर- जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या का समाधान करने के बजाय उसे नजरअंदाज किया गया। उन्होंने बताया कि किराड़ी सीवरेज परियोजना को दिसंबर 2020 में मंजूरी दी गई थी और इसकी निर्धारित पूर्णता तिथि दिसंबर 2024 थी। इसके बावजूद पिछली सरकार के कार्यकाल में प्रशासनिक विफलताओं और विभागीय समन्वय की कमी के कारण यह परियोजना वर्षों तक ठप पड़ी रही। मंत्री ने बताया कि आधिकारिक प्रगति के अनुसार सीवर लाइन का कार्य 70 फीसद (286 किमी) से बढ़कर 84 फीसद (340 किमी) तक पहुंचा गया है। इस चरण में 54 किमी नई सीवर लाइन जोड़ी गई और प्रताप विहार, प्रेम नगर और भाग्य विहार के सीवेज पंपिंग स्टेशनों (एसपीएस) में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि कागजों पर परियोजनाएं थीं, लेकिन जमीन पर काम छोड़ दिया गया। भुगतान न होने के कारण ठेकेदारों ने काम रोक दिया और गंदा पानी खुले नालों में बहता रहा। परियोजना को अब चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की योजना के तहत संशोधित लक्ष्य जून 2026 रखा गया है। मंत्री ने ऑडिट रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गंभीर योजना संबंधी खामियां सामने आई हैं। सीवेज पंपिंग स्टेशन और राइजिंग मेन पर खर्च तो किया गया, लेकिन उसके अनुरूप सीवेज ट्रीटमेंट क्षमता विकसित नहीं की गई। उन्होंने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार क्षेत्र में लगभग 36 एमजीडी सीवेज का उत्पादन होता है, लेकिन केवल एक 15 एमजीडी का एसटीपी वर्तमान में चालू है। 25 एमजीडी का एसटीपी अब तक निर्माणाधीन ही है। मंत्री ने कहा कि यह एकीकृत योजना की पूरी तरह विफलता को दर्शाता है। ढांचा तो बना दिया गया, लेकिन सीवेज के उपचार की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में नालों के रीमॉडलिंग का कार्य सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा किया जा रहा है, जबकि पीडब्ल्यूडी से जुड़े कार्य भी प्रगति पर हैं। सभी विभागों के बीच समन्वय के साथ काम किया जा रहा है। प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग मुंडका हाल्ट से सप्लीमेंट्री ड्रेन तक नए नाले का निर्माण करेगी। यह 220 करोड़ रुपये की परियोजना, 760 क्यूसेक क्षमता वाली है। यह 1,520 एकड़ क्षेत्र के कैचमेंट को कवर करेगा। किराड़ी–रिठाला ट्रंक ड्रेन (डीडीए) यह 7.2 किमी लंबा ट्रंक ड्रेन है और 250 करोड़ रुपये की यह परियोजना, 1,160 क्यूसेक क्षमता वाली है। उन्होंने बताया कि केएसएन ड्रेन लगभग 112 करोड़ की लागत से रीमॉडलिंग कार्य प्रगति पर है। रोहतक रोड ड्रेन का सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण द्वारा रीमॉडलिंग और पीडब्ल्यूडी के कार्य भी जारी है। यह 183 करोड़ की परियोजना लगभग पूर्ण है। शर्मा कॉलोनी की 9.4 करोड़ की स्थानीय विकास परियोजना है। ड्रेन सुधार एवं मुबारकपुर ड्रेन से आउटफॉल कनेक्टिविटी है। मंत्री ने कहा कि 11 साल तक लोगों को सिर्फ बहाने दिए गए। जैसे ही इस सरकार ने जिम्मेदारी संभाली, ज़मीन पर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि किराड़ी फर्क जानता है, यहां अब नारे नहीं, सिर्फ नतीजे होंगे।

संक्षिप्त समाचार

जाति–धर्म की नहीं, अब रोज़गार और न्याय की होगी राजनीति : संजय सिंह

लोकतंत्र की शान : वाराणसी। आम आदमी पार्टी द्वारा 16 जनवरी को मिर्ज़ापुर से शुरू की गई "रोज़गार दो–सामाजिक न्याय दो" पदयात्रा का समापन गुरुवार को सारनाथ में हुआ। पदयात्रा के समापन पर कचहरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री घाट पर आयोजित जनसभा में पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। संजय सिंह ने दावा किया कि इस पदयात्रा को युवाओं, मज़दूरों, किसानों, बुनकरों, दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं और बेरोज़गारों का व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि "रोज़गार दो–सामाजिक न्याय दो" आंदोलन यहीं समाप्त नहीं होगा, बल्कि फरवरी के अंत में इसके चौथे चरण की शुरुआत की जाएगी, जिसमें जनता की और भी बड़ी भागीदारी देखने को मिलेगी। सरकार से सवाल करते हुए संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर साल दो करोड़ नौकरियां देने के वादे के बावजूद 12 वर्षों में 24 करोड़ नौकरियां क्यों नहीं दी जा सकीं। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया जा रहा है, तो कम से कम 45 लाख युवाओं को रोज़गार मिलना चाहिए था। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि आम आदमी पार्टी की मांग स्पष्ट है—या तो युवाओं को नौकरी दी जाए, या फिर 18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक बेरोज़गार को हर महीने 10,000 रुपये बेरोज़गारी भत्ता दिया जाए। संजय सिंह ने कहा कि अब देश की राजनीति जाति और धर्म से ऊपर उठकर रोज़गार, शिक्षा और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर केंद्रित होनी चाहिए। इससे पूर्व पदयात्रा के सातवें और अंतिम दिन दोपहर 12 बजे गोकुल निकुंज बैंक्वेट, हवेलिया चौराहा, सारनाथ से पदयात्रा की शुरुआत हुई, जो लगभग डेढ़ किलोमीटर की दूरी तय करते हुए सारनाथ मंदिर परिसर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा, नारों और स्वतःस्फूर्त सहभागिता के साथ पदयात्रा का स्वागत किया। सभा और पदयात्रा में विधायक सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक एवं प्रदेश सह-प्रभारी दिलीप पांडेय, पूर्वांचल प्रान्त अध्यक्ष राजेश यादव, पूर्वांचल प्रान्त प्रभारी अनुराग मिश्रा, प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, मीडिया कोऑर्डिनेटर सर्वेश मिश्रा, काशी प्रान्त अध्यक्ष पवन तिवारी, मुख्य प्रवक्ता वंशराज दूबे तथा प्रदेश प्रवक्ता मुकेश सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीठासीन अधिकारियों के दल ने राम जन्मभूमि में रामलला के किए दर्शन

लोकतंत्र की शान : अयोध्या। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ् देशभर के पीठासीन अधिकारियों का एक दल ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर पहुंचकर श्रीराम लला का दर्शन व पूजन किया। मंदिर परिसर में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय समेत मन्दिर प्रबंधन के लोगों ने सभी की अगवानी की। इससे पहले अयोध्या पहुंचने पर महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने चूड़ामणि चौक के पास सभी का स्वागत किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अगवाई में अयोध्या भ्रमण के लिए आए दल का महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने की अगुवाई में पार्षदों एवं भाजपा नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य कृष्ण कुमार पांडे खुन्नू, गिरीश पांडे डिपुल, साकेत महाविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील शास्त्री, अवधेश वर्मा, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष डॉ. राकेश मणि त्रिपाठी और श्रीनिवास शास्त्री आदि स्वागत करने वालों में शामिल रहे। नगर के निषाद राज चौराहा पर विधायक वेद गुप्ता ने प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा देशभर से आए पीठासीन अधिकारियों का स्वागत किया गया। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने निषाद राज चौराहा (टेढ़ी बाजार चौराहा) पर अतिथियों का पारंपरिक अंदाज में अभिनंदन किया। इस दौरान शंख ध्वनि, घंटा-घड़ियाल की गूंज और पुष्पवर्षा के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय और उत्सवमय वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यकर्ताओं ने "जय श्रीराम", "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के गगनभेदी नारों के साथ राष्ट्र सर्वोपरि का संदेश दिया। चारों ओर राष्ट्रभक्ति और रामभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इसके पश्चात विधायक वेद प्रकाश ने राम जन्मभूमि परिसर में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना एवं अन्य पीठासीन अधिकारियों का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं समर्थक उपस्थित रहे। मंदिर परिसर में ही उतर प्रदेश के विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना के साथ आए पीठासीन अधिकारियों के लिए भोजन का प्रबंध भी किया गया था। पीएफसी संवाद कक्ष में तीर्थ क्षेत्र महासचिव चम्पतराय ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के लिए चले लंबे संघर्ष और निर्माण के सम्बन्ध में सभी को विस्तार से जानकारी दी।

हाईकोर्ट ने हड़ताली वकीलों को डीडीसी कोर्ट में पेश होने पर लगाई रोक

लोकतंत्र की शान : प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वकीलों की हड़ताल का सख्त संज्ञान लेते हुए महाराजगंज के चकबंदी उप-संचालक को निर्देश दिया है कि यदि संबंधित पक्षों के अधिवक्ता हड़ताल या न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण उपस्थित नहीं हो रहे हैं, तब भी मामलों का निस्तारण किया जाए। वकीलों की हड़ताल पर सख्त रुख अपनाते हुए कोर्ट ने संबंधित मामले में वकीलों के पेश होने पर रोक लगा दी और टिप्पणी की कि महराजगंज में बार के सदस्य पिछले कई महीनों से अदालत में उपस्थित नहीं हो रहे हैं इसलिए उक्त पुनरीक्षण में पेश होने वाले वकीलों को अदालत में उपस्थित होने से प्रतिबंधित किया जाता है। साथ ही चकबंदी उप-संचालक को निर्देश दिया कि इन निर्देशों के अनुसार पुनरीक्षण का निर्णय 15 मार्च तक या उससे पहले करें। यह आदेश न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र ने चिनकई की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। उसने याचिका में महराजगंज के चकबंदी उप-संचालक के समक्ष लंबित अपने मामले के शीघ्र निस्तारण की मांग की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि चकबंदी उप-संचालक के निर्देशों के अनुसार मामले में कई तारीखें तय की गई थीं लेकिन सभी तारीखों पर वकीलों के कार्य से विरत रहने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने कहा कि तथ्यों की इस पृष्ठभूमि में मामला तय न करने के लिए संबंधित अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। याची के अधिवक्ता ने कहा कि मामला महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें पक्षों के अधिकार शामिल हैं। साथ ही सुझाव दिया कि यदि वकील अदालत में उपस्थित नहीं हो रहे हैं या संबंधित बार एसोसिएशन का ऐसा कोई प्रस्ताव है, तो यह न्यायालय पक्षों को स्वयं उपस्थित होकर चकबंदी उप-संचालक के समक्ष अपनी बात रखने की अनुमति दे सकता है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने एक्स कैप्टन हरीश उप्पल बनाम भारत संघ के मामले में वकीलों की हड़ताल को अवैध घोषित करने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का संज्ञान लेते हुए चकबंदी उप-संचालक महराजगंज को निर्देश दिया कि संबंधित पुनरीक्षण के पक्षकारों को अगली निर्धारित तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने और मेरिट के आधार पर अपना पक्ष रखने की अनुमति दें।

सपा नेता समेत तीन की अवैध कॉलोनियों पर चला बीडीए का बुलडोजर

लोक तंत्र की शान : बरेली। बिना नक्शा पास कराए विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों के खिलाफ बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने गुरुवार को सख्त कार्रवाई की। सीबीगंज और इज्जतनगर क्षेत्र में चलाए गए अभियान के तहत सपा नेता समेत तीन लोगों की अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई से कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए. मनिकंडन ने बताया कि सीबीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रौठा में सपा नेता नरेश यादव द्वारा करीब 8000 वर्गमीटर क्षेत्र में बिना अनुमति अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। यहां प्लॉटिंग के साथ सड़क, साइट ऑफिस, नाली और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा था। सूचना मिलने पर बीडीए की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से सभी निर्माण ध्वस्त कर दिए। इसी गांव में पप्पन भाई द्वारा करीब 5000 वर्गमीटर क्षेत्र में बसाई जा रही दूसरी अवैध कॉलोनी पर भी कार्रवाई कर सड़क और अन्य निर्माण गिरा दिए गए।

बेटियों के साथ खिलवाड़ सहन नहीं :योगी आदित्यनाथ

लोकतंत्र की शान

सोनीपत/लखनऊ : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण तथा राष्ट्रविरोधी षड्यंत्रों में लिप्त तत्वों को सख्त चेतावनी दी कि हमारी बेटियों के साथ किसी तरह का खिलवाड़ सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अवैध गतिविधियों के प्रति समाज को जागरूक रहना होगा तथा इनका प्रतिकार करने के लिए पूज्य साधु-संतों को भी आगे आना होगा। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गुरुवार को हरियाणा के सोनीपत जिले में मुरथल स्थित बाबा नागे वाला धाम में आयोजित नाथ संप्रदाय के मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं आठ मान के भव्य भंडारा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने यह भी कहा कि कई कालनेमि धर्म की आड़ में सनातन धर्म को हानि पहुंचा रहे हैं, इनसे भी सतर्क रहना होगा। एक योगी के लिए, एक संत के लिए, एक सन्यासी के लिए, धर्म व राष्ट्र से बढ़कर कुछ नहीं होता। यही उसके जीवन का ध्येय होना चाहिए। उसकी व्यक्तिगत प्रॉपर्टी कुछ नही होती। धर्म ही उसकी प्रॉपर्टी है, राष्ट्र ही उसका स्वाभिमान होता है। अगर कोई राष्ट्रीय स्वाभिमान को चुनौती देता है तो हमें खुलकर उसके सामने आकर खड़े हो जाना चाहिए। ऐसे बहुत कालनेमि होंगे, जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साज़िश रच रहे होंगे, हमें उनसे सतर्क रहना होगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को पूरी तरह नियंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही डेमोग्राफी बदलने की जो साजिश हो रही है, लव जिहाद के नाम पर हमारी बेटियों के साथ जो खिलवाड़ किया जा रहा है। हम उसे रोकेंगे, पूरी शक्ति से रोकेंगे, जागरूकता से रोकेंगे। समाज के जागरूक लोगों और पूज्य संतों को भी इसके लिए आगे बढ़ना होगा। परिवारों को सुसंस्कृत किया जाएगा। सीएम ने कहा कि याद करिए, वर्ष 2009 में केरल के माननीय उच्च न्यायालय ने कहा था कि 'लव जिहाद' केरल जैसे राज्य को इस्लामी राज्य बनाने की साजिश का हिस्सा है। आज जब मैं देखता हूं तो तमाम राज्यों में बड़े पैमाने पर ये षड्यंत्र हो रहे हैं। हमारी संयुक्त परिवारों की परंपरा पहले संस्कारित होकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती थी, लेकिन धीरे-धीरे यह परंपरा विखंडित होती दिखाई दे रही है। इसे पुनः जीवित करने की आवश्यकता है।

क्लब ने वृद्ध आश्रम में गाय के गोबर से मूर्ती व अगरबत्ती बनाने की मशीन लगवाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः बुधवार को इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था के कार्यों का अवलोकन करने के लिए डिस्ट्रिक चैयरमैन शालिनी गुप्ता का आगमन हुआ, जिनके सम्मुख क्लब अध्यक्षा रितु अग्रवाल ने कई बड़े प्रोजेक्ट किये, इनर व्हील क्लब आस्था की होल्डिंग हसनपुर के अमरोहा अड्डे पर चौराहे पर लगवाई, मंदिर में पानी डिस्पेंसर लगवाया, सुशीला आनंद स्कूल में टॉय रूम बनवाया, वृद्ध आश्रम में गाय के गोबर से मूर्तियां और अगरबत्ती बनाने की मशीन लगवाई, एक छात्रा को पूरे साल की फीस दी व एक निर्धन लड़की की शादी के लिए एक अलमारी और बहुत सी वस्तुएं प्रदान की, इस सबके अतिरिक्त रितु अग्रवाल ने अपने क्लब की सभी पास्ट प्रेसिडेंट को भी सम्मानित किया, इस मौके पर डिस्ट्रिक चैयरमैन शालिनी गुप्ता ने अच्छी-अच्छी बातें बताई कि किस तरीके से घर में अपनत्व को बढ़ाया जा सकता है और प्रेम भाव लाया जा सकता है, इस कार्यक्रम में इनर व्हील क्लब हसनपुर आस्था की क्लब सचिव खुशबू गुप्ता, आइसो डॉली अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नीलिमा गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट मनीषा अग्रवाल, चार्टर प्रेसिडेंट अनुभा अग्रवाल, पास्ट प्रेसिडेंट नीतू अग्रवाल, पारुल अग्रवाल, सविता चावला, अंजू अग्रवाल के साथ ही दीक्षा, नीता, सीमा, मेघा , पूनम, शालू अग्रवाल को नया क्लब मेंबर बनाया गया।

श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर जगह-जगह हुए हवन एवं भंडारे

लोकतंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः अयोध्या में हुई श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा जी द्वितीय वर्ष गांठ के उपलक्ष में नगर के विभिन्न स्थान पर भंडारे एवं हवन का आयोजन किया गया,नगर के शिवाला मंदिर पर आयोजित हवन में मुख्य यजमान पुनीत अग्रवाल, अनुभा अग्रवाल, एवं राजीव अग्रवाल (सर्राफ), दीपिका अग्रवाल ने यज्ञ में आहुति दी, अग्रसेन तिराहे पर स्थित शिव मंदिर में महिलाओं ने भजन कीर्तन किया तथा मोहल्ला वासियों ने हलवे का प्रसाद वितरित किया वहीं नगर के रहरा अड्डे पर भी भंडारे का आयोजन किया गया तथा अतरासी अड्डे पर भी भंडारा आयोजित हुआ वही नगर की राजपूत कॉलोनी पंजाब नेशनल बैंक के निकट टीनू बाबा के सानिध्य में व्यापारियों द्वारा श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्ष गांठ पर तृतीय भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी तथा पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, अंकुर अग्रवाल आदि में पहुंचकर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देशः अनावश्यक नियम हटें, आम नागरिक और उद्यमी को मिले भरोसे पर आधारित प्रशासन

लोक तंत्र की शान

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में कम्प्लायंस रिडक्शन और डी-रेगुलेशन फेज-II के तहत किए जा रहे सुधारों की गुरुवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का लक्ष्य नागरिकों और उद्यमियों को अनावश्यक प्रक्रियाओं, अनुमतियों और निरीक्षणों से राहत देकर भरोसे पर आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध प्रशासन उपलब्ध कराना है। उन्होंने निर्देश दिए कि हर सुधार का प्रभाव जमीन पर दिखना चाहिए और आम व्यक्ति को यह अनुभव होना चाहिए कि व्यवस्था उसके लिए आसान हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने कम्प्लायंस रिफॉर्म्स के पहले फेज में देश में एक मजबूत पहचान बनाई है और अब फेज-II के माध्यम से इन सुधारों को स्थायी और संस्थागत रूप दिया जाना है। उन्होंने कहा कि यह फेज केवल नियमों में बदलाव तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली और सोच में परिवर्तन का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डी-रेगुलेशन का अर्थ नियंत्रण समाप्त करना नहीं, बल्कि अनावश्यक नियंत्रण हटाकर जरूरी नियमों को सरल और पारदर्शी बनाना है। उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प उत्तर प्रदेश को ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, दोनों में देश का अग्रणी राज्य बनाना है। बैठक में बताया गया कि कैबिनेट सचिवालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी रैंकिंग में उत्तर प्रदेश को कम्प्लायंस रिडक्शन फेज-I में देश का बेस्ट स्टेट घोषित किया गया है। फेज-II के अंतर्गत कुल 9 थीम, 23 प्रायोरिटी एरिया और 5 ऑप्शनल प्रायोरिटी एरिया चिन्हित किए गए हैं, जिन पर चरणबद्ध ढंग से सुधार लागू किए जा रहे हैं।

कर्तव्य पथ पर नजर आएगी बुंदेलखंड की शान, यूपी की झांकी में दिखेगी विरासत और विकास की एकजुट तस्वीर

लोक तंत्र की शान

नई दिल्ली/लखनऊ। गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में उत्तर प्रदेश की झांकी इस वर्ष भी देश-विदेश के दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और तीव्र विकास यात्रा को दर्शाने वाली इस झांकी में बुंदेलखंड की गौरवशाली संस्कृति को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जा रहा है। झांकी के माध्यम से प्राचीन कालिंजर दुर्ग की ऐतिहासिक गरिमा के साथ-साथ आधुनिक उत्तर प्रदेश की तेजी से आगे बढ़ती छवि को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया है। यह प्रस्तुति योगी सरकार के उस विजन को दर्शाती है, जिसमें विरासत का संरक्षण और विकास का संतुलन समान रूप से महत्वपूर्ण है।

कालिंजर से शुरू होती विरासत की यात्रा–झांकी के अग्रभाग में कालिंजर दुर्ग की प्रसिद्ध शैल-कला कृतियों में से एक एकमुख लिंग को स्थापित किया गया है, जो बुंदेलखंड की प्राचीन आध्यात्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह क्षेत्र की धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक पहचान को दर्शाता है। झांकी के मध्य भाग में बुंदेलखंड की जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं, मृद्भांड कला, मनका शिल्प और स्थानीय व्यापार को दर्शाया गया है। ये सभी 'एक जनपद एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत आते हैं, जो योगी सरकार द्वारा पारंपरिक कारीगरों को बाजार से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में की गई ठोस पहल का प्रमाण हैं। यह हिस्सा बुंदेलखंड की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान को रेखांकित करता है।

पर्यटन और आस्था का संगम– झांकी के पिछले भाग में कालिंजर दुर्ग के नक्काशीदार स्तंभों और भव्य द्वारों को दर्शाया गया है, जहां पर्यटक इसके ऐतिहासिक गलियारों का अनुभव करते हुए नजर आते हैं। साथ ही, नीलकंठ महादेव मंदिर का भव्य स्वरूप कालिंजर की आध्यात्मिक और स्थापत्य विरासत को सुदृढ़ करता है। यह प्रस्तुति बुंदेलखंड को एक प्रमुख सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करती है। बुंदेली कलाकार झांकी में पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत करते हुए क्षेत्र के लोकजीवन, उत्सवधर्मिता और सांस्कृतिक रंगों को जीवंत बनाते हैं। यह दृश्य बुंदेलखंड की जड़ों से जुड़ी जीवनशैली और लोकपरंपराओं को दर्शाता है।

भारतीय किसान संघ की धनौरा में हुई मासिक बैठक

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल
जिला प्रभारी अमरोहा

मंडी धनौराः गुरुवार को भारतीय किसान संघ जनपद अमरोहा के विकास खण्ड धनौरा की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा के नेतृत्व में सर्वोदय इन्टर कॉलेज पीपली तगा में हुई, बैठक में जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने संगठन के विस्तार पर चर्चा करते हुए हर माह नियमित बैठक करने पर पर विशेष बल दिया गया, इस मौके पर जिला गन्ना प्रमुख मधुकर तेजा ने बिजली विभाग के अधिकारियों के रवैये पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि बिजली विभाग में किसानों को मीटर रीडिंग व चैकिंग के नाम पर लूटा जा रहा है, अगर किसानों की इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो किसान संघ उग्र आन्दोलन के लिए विवश होगा , जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह ने किसानों के अंश बंटवारे में लेखपालों द्वारा हुई धांधली पर गांव गांव कैम्प लगाकर सही कराया जाय,बैठक में जिला अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, जिला गन्ना प्रमुख मधुकर तेजा, ब्लाक मन्त्री चौधरी सौरभ सिंह, ब्लाक उपाध्यक्ष विक्रांत तेजा, ऋषि पाल सिंह, जसवंत सिंह, कृतपाल सिंह, एकांत कौशिक, कुष्मेन्दर सिंह, मंगलेश त्यागी आदि कार्य कर्ता उपस्थित रहे।

गारमेंट इंडस्ट्री का नया केंद्र यमुना एक्सप्रेस–वे

» सेक्टर-29 में आकार ले रहा "अपैरल पार्क", महिलाओं के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

» 175 एकड़ में विकसित हो रहा पार्क, करीब सौ निर्यात आधारित इकाइयों का होगा ठिकाना

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को निर्यात आधारित औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने की रणनीति पर तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर-29 में 175 एकड़ में अपैरल पार्क विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना प्रदेश को गारमेंट इंडस्ट्री के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी। अपैरल पार्क के विकास से महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और उनके सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा। यह परियोजना प्रदेश सरकार की औद्योगिक नीति और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के अनुरूप है। राज्य सरकार के 'मेक इन यूपी' और भारत सरकार के 'वोकल फॉर लोकल' अभियानों को भी मजबूती मिलेगी। सेक्टर-29 का अपैरल पार्क विशेष रूप से रेडीमेड गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी निर्यात इकाइयों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यहां लगभग 100 उत्पादन आधारित इकाइयां स्थापित की जाएंगी, जो घरेलू बाजार के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए भी परिधान तैयार करेंगी। अपैरल पार्क को क्लस्टर मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, जिससे कि उद्योगों को साझा सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके। अपैरल पार्क की लोकेशन को रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह क्षेत्र यमुना एक्सप्रेस-वे से सीधे जुड़ा हुआ है और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास स्थित है। एयरपोर्ट के संचालन के बाद गारमेंट उत्पादों के निर्यात को नई गति मिलेगी। दिल्ली-एनसीआर से निकटता के कारण लॉजिस्टिक्स से जुड़ी लागत कम होगी और निर्यातकों को समय पर डिलीवरी की सुविधा मिलेगी, जो निर्यातकों के लिए बहुत जरुरी है। परियोजना के अंतर्गत अपैरल पार्क में 'कॉमन फैसिलिटी सेंटर' विकसित किया जाएगा। इसमें डिजाइन सेंटर, ट्रेनिंग सेंटर, यूनिट टेस्टिंग लैब और क्वालिटी कंट्रोल से जुड़ी सुविधाएं शामिल होंगी। साथ ही रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) सेंटर, मार्केटिंग सपोर्ट सिस्टम आदि की भी सुविधाएं निर्यातक इकाइयों को दी जाएंगी। सरकार का यह उद्देश्य और प्रयास है कि छोटे और मध्यम उद्यमों को अलग-अलग महंगे इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश न करना पड़े और वे साझा संसाधनों का उपयोग कर इसका लाभ उठा सकें। इससे उत्पादन लागत घटेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। अपैरल पार्क रोजगार सृजन के मामले में भी अपनी बड़ी भूमिका निभाएगा। इस परियोजना के माध्यम से बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। सिलाई, डिजाइन पैटर्न मेकिंग, पैकेजिंग, क्वालिटी कंट्रोल और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में स्थानीय युवाओं को रोजगार के मौके मिलेंगे। यह परियोजना प्रदेश की नीति के अनुरूप है। योगी सरकार का फोकस कच्चे माल आधारित उत्पादन से आगे बढ़कर वैल्यू एडेड मैन्युफैक्चरिंग पर है। अपैरल पार्क के जरिए प्रदेश में टेक्सटाइल इंडस्ट्री की पूरी वैल्यू चेन विकसित करने की योजना है। इससे किसानों, हथकरघा कारीगरों और छोटे उद्यमियों को भी अप्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश अब निवेश और उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण वाला प्रदेश बन गया है। यह परियोजना जब अपने पूर्ण रूप में आएगी तो यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा प्राप्त होगी।

संक्षिप्त समाचार

यारपुर में नया गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन, 60% काम हुआ पूरा, जल्द शुरू होगा मशीन इंस्टॉलेशन

लोकतंत्र की शान : पटना। पटना नगर निगम के नूतन राजधानी अंचल अंतर्गत वर्तमान में संचालित गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन को यारपुर क्षेत्र में शिफ्ट किया जाएगा। इसे लेकर तैयारी की जा रही है। इस गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। वहीं, बचे हुए काम को निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। इसके निर्माण कार्य के साथ-साथ ही मशीन इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी। इसके बाद कचरे के कलेक्शन, सेग्रीगेशन और ट्रांसफर की व्यवस्था अधिक प्रभावी रूप से संचालित होगी। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि यारपुर में गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण और शिफ्टिंग पटना नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कचरे का साइंटिफिक तरीके से सेग्रीगेशन और मैनेजमेंट होने से पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी। स्वच्छता व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। इसके साथ ही काम गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरा किया जाए। यारपुर गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन पूरी तरह से ऑटोमेटेड होगा। इसे 10.79 करोड़ रुपए में तैयार किया जा रहा है। यहां कचरा अपने आप लोड और अनलोड होगा। इसके साथ ही कचरा अनलोड करने के बाद गाड़ियां अपने आप धुल कर निकलेंगी। इसके लिए यहां विशेष रूप से डिजाइन की गयी वाशिंग पिट बनाई जाएगी। इसमें अलग-अलग एंगल से तेजी से पानी फेंकने वाले जेटी इस तरह लगे होंगे कि यहां से होकर गुजरने के दौरान महज दो-तीन मिनट में वाहन धुल जाएंगे। पूरी तरह ढका होने के कारण इस कचरा ट्रांसफर स्टेशन के आसपास रहने वालों या उनके पास से गुजरनेवालों को बदबू नहीं झेलनी पड़ेगी।

रणजी का फाइनल मुकाबला जीतने मैदान में उतरेगी बिहार टीम, मणिपुर के साथ आज से मैच

लोकतंत्र की शान : पटना। रणजी ट्रॉफी प्लेट ग्रुप का मुकाबला जीतने के लिए आज से बिहार टीम मैदान में उतरेगी। आज से फाइनल मुकाबला बिहार और मणिपुर के बीच मोईन-उल-हक स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच को जीतने के बाद बिहार एलीट ग्रुप में पहुंच जाएगा। एलीट का मतलब अगले सत्र में उन मजबूत टीमों से मुकाबला, जिनमें भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य भी खेलते नजर आएंगे। यानी कि बिहार के खिलाड़ियों का सामना रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या जैसे दिग्गज खिलाड़ियों से होगा। इस फाइनल मुकाबले को लेकर बिहार क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मैदान की पिच, आउटफील्ड और अभ्यास सुविधाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। हालांकि, बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने दर्शक दीर्घा की जर्जर स्थिति और सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए दर्शकों को मैच देखने के लिए स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं दी है। मैच से संबंधित जानकारी और अपडेट्स BCCI TV के माध्यम से उपलब्ध रहेंगे। 3 साल पहले मोइनुल हक स्टेडियम में मणिपुर को ही हराकर बिहार एलीट ग्रुप में पहुंचा था। 2022-23 से लगातार 2 वर्ष टीम एलीट ग्रुप का हिस्सा रही। पिछले सत्र में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसी टीमों के सामने हार हुई। कुछ मुकाबले खराब मौसम के कारण ड्रॉ भी रहे। कम अंक की वजह से बिहार टीम प्लेट ग्रुप में आ गई। इस बार एलीट में वापसी का बेहतर अवसर है। इस सत्र में बिहार के बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है। बिहार ने पहले ही मुकाबले में जीत का खाता खोला था। अरुणाचल को एक पारी और 165 रनों से पराजित किया था। इसके बाद गुजरात नाडियाड में बिना टॉस के हुआ मैच ड्रा रहा था। मोइनुल हक स्टेडियम में 2 दिन का ही खेल हो सका था, जो बराबरी पर रहा। सिक्किम के खिलाफ भी मैच ड्रा हुआ था। उसके 429 रनों के जवाब में बिहार ने पहली पारी में 265 और दूसरी पारी में 115.1 ओवर में छह विकेट 392 रन बनाए।

एससी-एसटी मामले में हाजीपुर पुलिस ने की कार्रवाई

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के सहदेई बुजुर्ग प्रखंड की नयागांव पश्चिमी पंचायत की मुखिया रीता देवी के पति सुनील कुमार महतो को गिरफ्तार किया गया है। उन पर आवास योजना में नाम जोड़ने के बहाने मारपीट, छिनतई और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है। हाजीपुर एससी-एसटी थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की है। गिरफ्तार सुनील महतो, जो नयागांव पश्चिमी निवासी स्वर्गीय विजय महतो के पुत्र हैं, उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एससी-एसटी थाना अध्यक्ष ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। देसरी थाना के नयागांव सैनी पोखर निवासी चंदन कुमार ने 18 फरवरी 2025 को मुखिया पति के खिलाफ एससी-एसटी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार, चंदन कुमार को आवास योजना में नाम जोड़ने के लिए मुखिया रीता देवी के आवास पर बुलाया गया था। वहां पंचायत रोजगार सेवक सह प्रभारी आवास सहायक संजय कुमार ने उनसे 2,000 रुपये की मांग की। चंदन कुमार द्वारा पैसे देने से इनकार करने और विरोध जताने पर, सुनील महतो, एक अन्य चंदन कुमार (पिता सुनील महतो), और संजय कुमार ने मिलकर गाली-गलौज की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि अब 5,000 रुपये रंगदारी देने पर ही आवास योजना में नाम जोड़ा जाएगा। विरोध करने पर तीनों ने चंदन कुमार को धक्का देकर जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों से पीटा। आरोप है कि एक चंदन कुमार ने अपनी कमर से पिस्तौल निकालकर कनपटी पर सटा दी और धमकी दी कि जब तक रंगदारी नहीं मिलेगी, नाम नहीं जुड़ेगा। सुनील महतो ने कथित तौर पर चंदन कुमार के गले में गमछा डालकर जान से मारने की कोशिश की। चंदन कुमार के गिड़गिड़ाने पर कुछ राहगीरों के बीच-बचाव से गमछा छोड़ा गया, लेकिन उन्हें एक खंभे से बांध दिया गया। बाद में, उनके परिवार के सदस्यों को जानकारी मिलने पर वे मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने गंगा किनारे से 1070 लीटर शराब जब्त की

लोकतंत्र की शान : **हाजीपुर।** वैशाली पुलिस के शराब विरोधी अभियान के तहत बिदुपुर थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1070 लीटर देसी शराब जब्त की गई है। इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और अन्य संभावित शामिल लोगों की तलाश जारी है। बिदुपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंगा नदी के किनारे अवैध शराब का परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नदी तट पर एक टेम्पो (छोटा मालवाहक वाहन) का पता लगाया। वाहन की तलाशी लेने पर पुलिस को 1070 लीटर देसी शराब से भरे कन्टेनर बरामद हुए। बिदुपुर थाना प्रभारी रवि प्रकाश ने बताया कि शराब के साथ पकड़े गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह शराब किस मार्ग से आई और इसे कहां पहुंचाया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। इस नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों का पता लगाने के लिए भी पुलिस जुटी हुई है। इस संबंध में थाने में कानूनी प्रक्रिया के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई चल रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जिले में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के खिलाफ लगातार निगरानी और अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध शराब व्यापार पर अंकुश लगाना और लोगों को इसके सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान के प्रति जागरूक करना है। वैशाली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे शराब का सेवन न करें और न ही अवैध रूप से इसके कारोबार में शामिल हों। पुलिस की चेतावनी है कि ऐसे किसी भी कार्य में लिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सार्वजनिक सहयोग से मिली सूचना को कार्रवाई की सफलता का आधार बताते हुए पुलिस ने लोगों से ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत देने का आग्रह किया है।

कटिहार में देह व्यापार का धंधा : चाय की दुकान के आड़ में चल रहा था गोरखधंधा

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः मुफस्सिल थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक चाय की दुकान की आड़ में देह व्यापार का धंधा चल रहा था। स्थानीय लोगों ने इस गोरखधंधे का पर्दाफाश किया और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भट्टा टोला चौक पर स्थित एक चाय की दुकान के भीतर देह व्यापार का घिनौना कारोबार चल रहा था। दिन में यह दुकान चाय-नाश्ते की दुकान के रूप में चलती थी, जबकि शाम ढलते ही यहां जिस्मफरोशी का अड्डा बन जाता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस वजह से इलाके का माहौल लगातार खराब हो रहा था और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार गुरुवार को गांव वालों ने एक युवक को आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने युवक को बिजली के पोल से बांध दिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी। आक्रोशित लोगों ने चाय की दुकान में तोड़फोड़ भी की। हंगामे की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को ग्रामीणों से छुड़ाकर अपने कब्जे में ले लिया।

ग्रामीणों का आरोप है कि बसंती देवी नामक महिला पिछले पांच वर्षों से इस चाय की दुकान की आड़ में सेक्स रैकेट चला रही थी। घटना के दौरान बसंती देवी और उसके साथ मौजूद एक अन्य महिला मौके से फरार होने में सफल रही। इस पूरे मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मुफस्सिल थाना पुलिस का कहना है कि युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। फरार महिलाओं की तलाश में छापेमारी की जा रही है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि मामले में संलिप्त सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे गंदे धंधों पर तुरंत और स्थायी रूप से रोक लगाई जाए। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियों से समाज और खासकर युवाओं पर गलत असर पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई नहीं की तो वे आगे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

कटिहार में यमराज बनकर उतरी पुलिस ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को दिया संदेश

लोकतंत्र की शान , सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः जनवरी माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन के नेतृत्व में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत यमराज के रूप में कलाकारों ने सड़क पर उतरकर बिना हेलमेट और सीट बेल्ट के चल रहे लोगों को रोककर ट्रैफिक नियम समझाए। यमराज ने नियमों का पालन करने वालों को लंबी उम्र का आशीर्वाद दिया और ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को सख्त लहजे में चेतावनी दी। नए ट्रैफिक नियमों के तहत बिना हेलमेट चलने पर 1000 तक का जुर्माना लग सकता है, जबकि सीट बेल्ट नहीं लगाने पर भी 1000 का जुर्माना देना पड़ सकता है। इसके अलावा, तेज गति और खतरनाक ड्राइविंग पर भी कड़ा रुख अपनाया गया है! जिला परिवहन पदाधिकारी सुबीर रंजन ने बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है, ताकि हम अपने और दूसरों की जान बचा सकें। यमराज के रूप में कलाकारों ने लोगों को जागरूक करने का काम किया है। अभियान के दौरान दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया गया। नियमों का पालन नहीं करने वालों को समझाया गया और भविष्य में नियमों का पालन करने की अपील की गई।

कांग्रेस नेता की माता के निधन पर शोक की लहर

लोकतंत्र की शान, सुमन सिंह कटिहार

कटिहारः कांग्रेस नेता श्रुति कांत कश्यप की माता अभिरामा झा के निधन पर शोक की लहर दौड़ गई। सांसद तारिक अनवर ने उनके निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि यह खबर अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। सांसद तारिक अनवर ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को इस गहरी दुःख को सहन करने की शक्ति दें। इस कठिन घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारजनों के साथ हैं। कटिहार जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव, पूर्व विधायक सत्यनारायण प्रसाद, सुनीता देवी और अन्य कई नेताओं ने भी श्रुति कांत कश्यप की माता के निधन पर शोक प्रकट किया।

इन नेताओं ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय और CIPET के बीच समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर

लोकतंत्र की शान

वैशाली (बिहार)। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, वैशाली, बिहार तथा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (CIPET), हाजीपुर के बीच शैक्षणिक, अनुसंधान एवं तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर समझौता ज्ञापन पर डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. ब्रिजेश सिंह तथा CIPET CSTS, हाजीपुर की ओर से निदेशक डॉ. यू. पी. सिंह ने हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. समित तिवारी, डीन अकादमी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अमरीश

कुमार सिंह सहित दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे। यह MoU दोनों संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को नई दिशा प्रदान करेगा। इसके अंतर्गत CIPET के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों एवं तकनीकी विशेषज्ञों तथा डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के बीच नियमित संवाद एवं सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं की शुरुआत, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाओं का आयोजन तथा विभिन्न तकनीकी सेवाओं के आदान-प्रदान की योजना भी शामिल है। समझौते का प्रमुख उद्देश्य उद्योग-उन्मुख शिक्षा, नवाचार तथा कौशल विकास को बढ़ावा देना है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके और वे आधुनिक तकनीकी चुनौतियों के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान, संसाधन एवं विशेषज्ञता के आदान-प्रदान को सशक्त बनाएगा और क्षेत्रीय स्तर पर शिक्षा, अनुसंधान एवं तकनीकी विकास को गति प्रदान करेगा।

पटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर का एनकाउंटर

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटर परमानंद यादव और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। एनकाउंटर में परमानंद यादव के पैर में गोली लगी है। STF की टीम ने परमानंद का पटना से मसौढ़ी तक करीब 20 KM तक पीछा किया और उसके बाद मुठभेड़ हुई। परमानंद यादव लॉरेंस गैंग का बिहार प्रभारी है, वो बिहार-झारखंड मे गैंग से जुड़े काम देखता है। पटना सहित बिहार और झारखंड में हत्या-लूट जैसे 24 से अधिक संगीन केस दर्ज हैं। मुठभेड़ मसौढ़ी थाना इलाके में हुई है।

पुलिस को सूचना मिली थी, लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार प्रभारी परमानंद यादव पटना में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने पहुंचा है। सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया, 'बेऊर थाना पुलिस ने कुछ बदमाशों को बुधवार की देर रात पकड़ा था। लेकिन एक अपराधी पुलिस को चकमा देकर जहानाबाद की ओर भागने लगा। हमारी टीम ने उसका पीछा करना शुरू किया और मसौढ़ी थाना को इसकी सूचना दी गई।' 'करीब 20 किलो मीटर पीछा करने के बाद गुरुवार सुबह 4 बजे बदमाश को पुलिस ने घेर कर बाइक रोकने को कहा, लेकिन वो बाइक से तेजी से भागने लगा। पुलिस भी उसके पीछे थी। बाइक स्लीप करने की वजह से वो जमीन पर गिर गया और फायरिंग करने लगा। पुलिस ने भी फायरिंग की। एक गोली उसके पैर में लगी है। उसे पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है।' 'मुठभेड़ में पुलिसकर्मी घायल नहीं हुए हैं। तीन राउंड गोलियां चली हैं। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन भी चलाया।'

झारखंड का रहने वाला है, वहीं से लॉरेंस गैंग ऑपरेट करताः परमानंद यादव (पिता रामकेवल यादव) मूल रूप से झारखंड के लातेहार जिले के चटेर, चंदवा गांव का रहने वाला है। वो बिहार-झारखंड में अपना नेटवर्क खड़ा करना चाहता था। परमानंद झारखंड के लातेहार से सबकुछ ऑपरेट कर रहा था। पुलिस की मानें तो परमानंद यादव पर बिहार और झारखंड में 24 से ज्यादा केस दर्ज हैं। STF इसके पीछे लगभग डेढ़ साल से भी अधिक समय से लगी हुई थी।

होटल, कॉन्फ्रेंस हॉल-अम्यूज़मेंट पार्क बनाने के पर्यटन विभाग देगा पैसे

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार के किसी जिले में होटल, कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्यूजमेंट पार्क, आदि का निर्माण करने पर पर्यटन विभाग कुल लागत में 30% तक वित्तीय मदद देगा। ये बातें पर्यटन सचिव नीलेश रामचंद्र देवरे ने बिहार पर्यटन नीति के 21 उद्यमियों के साथ आज एक महत्वपूर्ण बैठक करते हुए कही। पर्यटन सचिव ने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि हर जिले में पर्यटकीय सुविधाओं का निर्माण हो ताकि पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। नीलेश रामचंद्र देवरे ने कहा कि उद्यमी उच्चस्तरीय पर्यटकीय सुविधाएं, जिसमें बेहतर आवासन के लिए सुविधायुक्त स्टार होटल, साफ-सुथरे और व्यवस्थित प्रसाधन

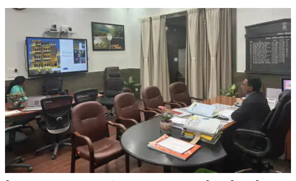

केंद्र युक्त मार्गीय सुविधाओं से लेकर कॉन्फ्रेंस हॉल, एम्यूजमेंट पार्क आदि का निर्माण करने के लिए पर्यटन विभाग पर्यटन नीति के तहत कुल लागत में 30% तक वित्तीय मदद दे रहा है। इसका लाभ उठाएं और एम्प्लॉयमेंट प्रोवाइडर बनकर विकसित बिहार बनाने में अपना योगदान दें। पर्यटन सचिव ने इस बैठक में अनुदान के लिए प्रथम स्टेज की स्वीकृति प्राप्त कर चुके उद्यमियों को दूसरे स्टेज यानी वित्तीय स्वीकृति के लिए आवेदन करने का अनुरोध किया।

पवन सिंह ने 'मिस्ट्री गर्ल' से कहा- जान इधर आओ

लोकतंत्र की शान , पटना

भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह की तीसरी शादी की चर्चा तेज है। हाल ही में पवन सिंह मिस्ट्री गर्ल के साथ पार्टी में शामिल हुए। उन्होंने भरी महफिल में एक्ट्रेस से कहा कि तुम तो मेरी जान हो। अब उनकी पत्नी ज्योति सिंह का एक भावुक पोस्ट सामने आया है। ज्योति सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें लिखा हुआ है 'सीता वनवास में भी साथ थी, राम तो अयोध्या में भी साथ ना दे सके।' इसके अलावा एक पोस्टर भी शेयर किया है। इस पर लिखा है, 'शिव का अपनाया हुआ अक्सर दुनिया से ठुकराया हुआ होता है।' बीते दिनों पवन सिंह लखनऊ में दोस्त और सिंगर गुंजन सिंह की बर्थ-डे पार्टी में शामिल हुए थे। इस दौरान मिस्ट्री गर्ल भी पवन के साथ दिखीं। दरअसल, यह मिस्ट्री गर्ल अभिनेत्री महिमा सिंह हैं। आजकल हर इवेंट में महिमा को पवन सिंह के साथ देखा जा रहा है। पवन सिंह ने बर्थ-डे पार्टी में महिमा सिंह को सबके सामने जान कहकर पुकारा जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वो

ज्योति सिंह बोलीं- सीता वनवास में भी साथ थीं, राम अयोध्या में भी साथ ना दे सके

स्टेज से महिला सिंह की ओर इशारा करते करते हुए कहते हैं कि, 'मैं चाहता हूं कि महिमा सिंह जी प्लीज आप इधर आइए। आओ मेरी जान इधर आओ।' गुंजन सिंह के बर्थ डे पार्टी के दौरान भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह गुस्सा हो गए थे। वे स्टेज से युवक मारने के लिए आगे बढ़ने लगे। वहां मौजूद लोगों और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़ लिया। इस दौरान फैन्स बोलते रहे कि, भइया को रोक लो नहीं तो वो उसे पीट देंगे। इसी बीच पार्टी में मौजूद बाउंसर्स ने उस युवक को पकड़ लिया और खींचकर बाहर किया।

पटना के हर वार्ड में बनेगा 'नगर मित्र'

लोकतंत्र की शान , पटना

वीएमडी पर दिखाई जाएगी तस्वीर, स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग सुधारने के लिए पटना नगर निगम की पहल

स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इस योजना के तहत नगर निगम क्षेत्र के हर वार्ड में एक 'नगर मित्र' का चयन किया जाएगा, जो अपने क्षेत्र में स्वच्छता अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू कराने में अहम भूमिका निभाएगा। नगर निगम का मानना है कि जब तक आम नागरिक स्वच्छता अभियान से सीधे नहीं जुड़ेंगे, तब तक स्थायी और व्यापक बदलाव संभव नहीं है। इसी सोच के तहत 'नगर मित्र' की अवधारणा लाई गई है, ताकि जनभागीदारी के माध्यम से शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाया जा सके।

निगरानी से लेकर जागरूकता तक निभाएंगे अहम भूमिकाः नगर मित्र की भूमिका केवल निगरानी तक सीमित नहीं होगी, बल्कि वे अपने-अपने इलाकों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने, लोगों को जागरूक करने और स्वच्छ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित करने का काम भी करेंगे। नगर मित्र अपने निवास स्थान के दोनों ओर लगभग पांच पांच घरों तक की सड़क, गली और आसपास के सार्वजनिक स्थलों की नियमित निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी व्यक्ति सड़क, गली, नाली या खुले स्थानों पर कचरा न फेंके।

सफाई संबंधी समस्या की जानकारी देना भी होगी जिम्मेदारीः किसी भी प्रकार की सफाई संबंधी समस्या की जानकारी समय पर नगर निगम तक पहुंचाना भी उनकी जिम्मेदारी होगी, ताकि त्वरित और प्रभावी समाधान किया जा सके। इसके साथ ही वे स्थानीय नागरिकों को गीले और सूखे कचरे के अलग अलग करने, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में सहयोग, प्लास्टिक के सीमित उपयोग और स्वच्छता से जुड़े नियमों के पालन के लिए प्रेरित करेंगे।

कैसे होगा नगर मित्र का चयन?ः नगर मित्र के चयन की प्रक्रिया पटना नगर निगम के सफाई इंस्पेक्टर और सिटी मैनेजर की निगरानी में की जाएगी। चयन के दौरान संबंधित क्षेत्र के आसपास के घरों से भी फीडबैक लिया जाएगा, ताकि जिम्मेदार, जागरूक और स्वच्छता के प्रति संवेदनशील नागरिक को ही इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए चुना जा सके। नगर निगम का उद्देश्य है कि ऐसे लोग आगे आएं जो समाज में उदाहरण बन सकें और दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित कर सकें।

VMD पर दिखाई जाएगी नगर मित्र की तस्वीरः पटना नगर निगम ने यह भी निर्णय लिया है कि जिस प्रकार पहले नगर शत्रु की तस्वीरें पटना स्मार्ट सिटी द्वारा अधिस्थापित VMD (वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले) पर दिखाई जाती थीं। उसी तरह नगर मित्र के चयन के बाद उनकी तस्वीर भी VMD पर दिखाई जाएगी। इससे एक ओर जहां अच्छे कार्य करने वाले नागरिकों को सम्मान और पहचान मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर समाज में सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

ख़ास ख़बर

कुल्हाल नहर में डूबे युवक का शव बरामद

लोकतंत्र की शान : देहरादून। जनपद देहरादून के कुल्हाल नहर में बुधवार को डूबे युवक का आज बरामद हो गया। इस युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के गोलागोकर्ण नाथ शहर निवासी आरिफ अली के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक के डूबने की सूचना मिलने पर रेस्क्यू टीम अपर उपनिरीक्षक आशिक अली के नेतृत्व में बुधवार रात तक रेस्क्यू चलाया गया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद गुरुवार सुबह रेस्क्यू टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन किया। बाद में नहर से युवक का शव बरामद हो गया।

31 से सनेह क्षेत्र में दो दिवसीय बर्ड फेस्टिवल

लोकतंत्र की शान : पौड़ी गढ़वाल। कोटद्वार के सनेह क्षेत्र में 31 जनवरी और 1 फरवरी को आयोजित होने वाले दो दिवसीय बर्ड फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं और आयोजन को भव्य स्वरूप दिया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बर्ड फेस्टिवल के दौरान कार्यक्रम स्थल पर बर्ड वाचिंग से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बर्ड प्रदर्शनी के साथ-साथ स्टॉल लगाए जाएं, जिनमें पक्षियों की प्रजातियों, उनके संरक्षण और पर्यावरण संतुलन से संबंधित जानकारी दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि दुर्लभ एवं प्रवासी पक्षियों की पहचान से जुड़े सूचना पैनल, बर्ड आइडेंटिफिकेशन चार्ट और जागरूकता सामग्री भी प्रदर्शित की जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि फेस्टिवल के दौरान बर्ड वाचिंग हेतु कुल 12 नेचर ट्रेल्स विकसित की जाएंगी, जिनके माध्यम से प्रतिभागी प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न पक्षी प्रजातियों को नजदीक से देख सकेंगे। इसके साथ ही स्कूली बच्चों एवं युवाओं के लिए बर्ड क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे उनमें पर्यावरण एवं जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़े। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया कि स्कूली बच्चों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। वहीं खेल अधिकारी को मैराथन दौड़ के पंजीकरण बढ़ाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला शिक्षाधिकारी माध्यमिक रणजीत सिंह नेगी, भातखंडे हिंदुस्तानी संगीत महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अनिरुद्ध बिष्ट आदि शामिल रहे।

रेवाड़ी में मालगाड़ी के आगे कूदा युवक, हुई मौत

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। रेवाड़ी के नागल पठानी रेलवे स्टेशन के पास बुधवार देर शाम एक युवक ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव मुरलीपुर निवासी 23 वर्षीय अतर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अतर सिंह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। मिली जानकारी के अनुसार अतर सिंह अविवाहित था और गांव में मजदूरी करता था। बुधवार को वह नागल पठानी स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर पहुंचा, जहां कोसली से रेवाड़ी की ओर जा रही मालगाड़ी के आगे कूद गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार अतर सिंह के परिवार में बीते नौ दिनों में दो अन्य मौतें हो चुकी थीं। 13 जनवरी को बीमारी के चलते उसकी तीन माह की भतीजी की मौत हो गई थी, जबकि 17 जनवरी को उसकी मां का निधन हो गया। इससे पहले वर्ष 2015 में उसके पिता की भी मृत्यु हो चुकी थी। लगातार हुई इन मौतों के कारण अतर सिंह मानसिक तनाव में था। अतंर सिंह दो मौतों के बाद काफी परेशान रहने लगा था। सूचना मिलने पर जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जांच अधिकारी भतेरी देवी ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग : ऑनलाइन खरीदी गई घड़ी नकली मिली, 25 हजार का जुर्माना लगाया

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। ऑनलाइन साइट से खरीदी गई टाइटन की घड़ी नकली मिलने पर परिवादिया द्वारा प्रस्तुत परिवाद को स्वीकार करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग द्वितीय जोधपुर ने अमेजॉन इंडिया पर पच्चीस हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। अधिवक्ता महेंद्र पारीक ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी अनाहिता अली की ओर से जिला आयोग जोधपुर द्वितीय में परिवाद प्रस्तुत करते हुए बताया कि उसके द्वारा अपने पति को घड़ी उपहार स्वरूप देने के लिए अप्रैल 2022 में अमेजॉन इंडिया की साइट पर ऑर्डर बुक करवाया तथा उसके बदले में 2695 का भुगतान भी किया परिवादिया को घड़ी प्राप्त हो गई जो कुछ ही दिनों में खराब हो गई, जिसे टाइटन के अधिकृत स्थानीय विक्रेता को दिखाया जिन्होंने घड़ी को नकली टाइटन घड़ी बताया परिवादिया को यह सुनकर बहुत आघात लगा परिवादिया ने अमेजॉन को कीमत वापस देने के लिए संपर्क किया द्य समाधान नहीं होने पर परिवादिया ने जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत किया।

ढीमरखेड़ा थाने को मिली सफलता ,भगवान के मुकुट चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र कि शान हसन रस्सी जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

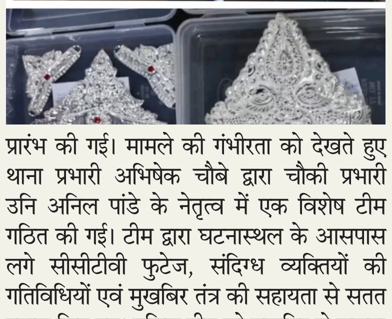

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ संतोष डेहरिया और श्रीमान एसडीओपी महोदया श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में और श्रीमान टीआई महोदय ढीमरखेड़ा अभिषेक चौबे के नेतृत्व में चौकी प्रभारी सिलौडी उनि अनिल पांडे को आज एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। घटना का संपूर्ण विवरण इस प्रकार है कि थाना ढीमरखेडा पुलिस को दिनांक 19/01/26 को सूचना प्राप्त हुई कि कोई अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिलोंडी चौकी अंतर्गत ग्राम सिलोंडी में धर्मपुरा हनुमान कुटी में मंदिर के अंदर से एबं सिलोंडी कस्बा में स्थित निजी मंदिर से हनुमान जी एबं राम लक्ष्मण जी के चांदी के मुकुट 4 नग वजनी करीब 30 तोला कीमती करीब 80,000 रुपये के चोरी कर लिये हैं इस पर थाना ढीमरखेड़ा में अप क्र 38/26 एवं 39/26 धारा 331 (3),305A BNS का अपराध पंजीबद्ध किया गया था घटना की सूचना पर थाना पुलिस द्वारा तत्परता से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी अभिषेक चौबे द्वारा चौकी प्रभारी उनि अनिल पांडे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से सतत प्रयास किए गए। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि उक्त चोरी की वारदात में संलिप्त एक संदिग्ध व्यक्ति क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना पर तत्काल घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ की गई, जिसने हनुमान मंदिर से मुकुट चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया भगवान का मुकुट बरामद कर लिया गया।

आरोपी का नाम : निखिल सेन पिता विजय सेन उम्र 19 साल नि सिलोडी थाना ढीमरखेडा जिला कटनी

बरामद माल : 4 चांदी के मुकुट

आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। मामले की विवेचना जारी है। थाना ढीमरखेडा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही कर धार्मिक स्थल पर हुई चोरी का सफलतापूर्वक खुलासा किया गया है, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और सुदृढ़ हुआ है।चोरी का खुलासा होने पर लोगो ने खुशी जाहिर की गई। आरोपी को न्यायालय पेश किया गया। जिसे माननीय न्यायालय के आदेश से जेल भेजा जा रहा है। कार्यवाही में शामिल पुलिस टीम : अथक प्रयास कर चोरी के खुलासे में मुख्य भूमिका में थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा अभिषेक चौबे,चौकी प्रभारी अनिल पांडेय,प्रधान आर.अतुल शर्मा ,आर. रामसेवक,धरमवीर की मुख्य भूमिका रही। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय कटनी द्वारा पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है ।

जब सांसद ने निभाया मूल पेशे का कर्तव्य,घायल वाहन चालक का किया स्थल पर प्राथमिक उपचार

सड़क सुरक्षा जागरुकता का संदेश- मदद को आगे आए इंसानियत का दे परिचय - डा राजेश मिश्रा

लोकतंत्र की शान सीधी, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो

सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सीधी सिंगरौली के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने नागरिकों से यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा वाहन धीमी एवं सतर्क गति से चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सड़क पर थोड़ी सी असावधानी भी जानलेवा सिद्ध हो सकती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक होने का परिचायक है।इसी क्रम में मंगलवार को जब सांसद डॉ. मिश्रा सीधी से मझौली की ओर स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होने जा रहे थे, तब मार्ग में एक सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल अवस्था में मिले। स्थिति को देखते हुए उन्होंने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। उन्होंने अपने वाहन से प्राथमिक उपचार सामग्री मंगवाकर घायलों को तत्काल सहायता दी तथा बेहतर उपचार के लिए उन्हें जिला चिकित्सालय सीधी भिजवाया। समय पर मिली सहायता से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सुविधा मिल सकी।

पूजापार्क में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में बोले कथावाचक

» जो शब्द जीव को परमात्मा से जोड़ दे वही है सतसंग

लोकतंत्र की शान , रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो सीधी

स्थानीय पूजापार्क में विगत24वर्षों से चल रही श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत आज हुई। फूलमती मंदिर कोटहा से हर्षोल्लास के साथ कलश यात्रा चलकर पूजापार्क में पहुँची। श्रीकृष्ण रसामृत समिति सीधी के सदस्य तथा भक्तजन नाचते गाते हुए वृन्दावनोपासक महराज पं बालाव्यंकटेश जी शास्त्री का अभिनंदन करते हुए कथा स्थल आये।प्रथम दिवस की कथा के शुभारंभ में कथा व्यास पं बालाव्यंकटेश शास्त्री महराज का माल्यार्पण और पुष्प गुच्छ से श्रीमती कुमुदिनी सिंह समिति की अध्यक्ष, संरक्षक सुरेन्द्र सिंह बोरा, रामेश्वर पाण्डेय, आचार्य ब्रजमोहन ब्रजेश,अंजनी सिंह सौरभ,पवनकुमार सिंह,एपी सिंह बघेल,एवं पत्रकार धर्मेन्द्र सोनी और राजेश सिंह सहित अन्य मीडिया के विशेषज्ञों ने स्वागत किया।यहकथा प्रति दिन 2बजे दोपहर से 28जनवरी तक चलती रहेगी।28जनवरी को ही विश्राम और भण्डार होगा। मंच का संचालन करते हुए साहित्यकार डॉ श्रीनिवास शुक्ल सरस सोमालोब ने बताया कि कथा व्यास जी विगत 24वर्षों से जनवरी में भागवत कथा करके सीधी के भक्तों को लाभान्वित कर रहे हैं ।कथा की शुरुआत मंगलाचरण के माध्यम से करते हुए व्यास जी ने बताया कि एक त्रिवेणी है प्रयागराज में, एक त्रिवेणी है श्रीमद्भागवत कथा में। इस भागवत की त्रिवेणी संगम में भक्ति ज्ञान और वैराग्य का विशेष महत्व है। व्यास जी ने कहा कि जो शब्द जीव को परमात्मा से जोड़ दे वही सतसंग है।पहले दिन से ही प्रतीक्षारत भक्तों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उमड़ेगा आस्था का सैलाबः 26 जनवरी को निकलेगी माँ जालपा की भव्य 111 मीटर लंबी चुनरी यात्रा

लोकतंत्र कि शांन हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी जानकारी अनुसार 25जनवरी प्रातः 10 बजे से जालपा मंदिर प्रांगण में माँ जालपा सहित 64 योगिनियों का विधि-विधान से अभिषेक और पूजन किया जाएगा। समिति ने सभी यजमानों से पूजन में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

26 जनवरी (चुनरी यात्रा): सायंकाल 5 बजे से मेन रोड स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर से भव्य चुनरी यात्रा का शुभारंभ होगा।

27 जनवरी (भंडारा): मंगलवार को मंदिर प्रांगण में कन्या भोज के साथ विशाल भंडारे का आयोजन होगा।

111 मीटर लंबी चुनरी यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार, सुक्खन चौक, शेर चौक, आजाद चौक और चांडक चौक होते हुए जालपा मंदिर पहुंचेगी। जिसमें माता रानी आकर्षक पालकी में विराजित होंगी।

भजन-कीर्तन के साथ बजरंग बाल रामायण समाज द्वारा पूरी यात्रा के दौरान भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

यात्रा मार्ग में श्रद्धालु रंगोली सजाकर, कलश व दीप प्रज्वलित कर चुनरी का पूजन करेंगे और पुष्प वर्षा से स्वागत करेंगे।

समिति की बैठक में बनी रूपरेखाः हाल ही में लालजी पंडा की अध्यक्षता और राजू अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित बैठक में आयोजन को भव्य बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रेम प्रकाश दीक्षित, मामा त्रिपाठी, बबलू चौदहा, जमुना बिचपुरिया, मंजू तोलासरिया, अर्चना अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य और महिला मंडल की पदाधिकारी उपस्थित रहीं

अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

» गोपद नदी क्षेत्र में रेत का अवैध भंडारण ध्वस्त, बिना नंबर के वाहन जब्त

लोकतंत्र की शान

सीधी । जिले की नदियों से हो रहे अवैध रेत के उत्खनन को रोकने के लिए एक बार फिर जिला प्रशासन सक्रिय होता नजर आ रहा है उतना ही सक्रिय खनिज माफिया भी है वो घाट बदल बदल कर उत्खनन परिवहन कर रहे हैं ऐसे माफियाओं पर नकेल डालने कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी अपनी टीम को मुस्तैद किया है। कलेक्टर एस पी के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कुसमी विकास कुमार आनंद तथा जिला खनिज अधिकारी कपिल मुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में ग्राम गुडुआधार, तहसील कुसमी में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की शिकायत पर नायब तहसीलदार पोड़ी अमित दुबे, थाना प्रभारी कुसमी अरुणा द्विवेदी एवं प्रभारी खनि निरीक्षक शिशिर यादव के संयुक्त दल द्वारा जांच एवं कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान गोपद नदी से लगे क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध रूप से संग्रहित लगभग 20 डंपर रेत को नदी में वापस डलवाकर तथा पहुंच मार्ग को गड्ढा खोदकर अवरुद्ध किया गया। साथ ही भूमि स्वामियों की पहचान कर उनके विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जा रही है। इसी प्रकार अमिलिया बाजार, तहसील सिहावल से बिना नंबर के वाहन द्वारा अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पाए जाने पर वाहन चेसिस क्रमांक को आधार बनाकर जब्त कर थाना अमिलिया में सुरक्षित खड़ा कराया गया। वहीं ग्राम कमर्जी, तहसील चुरहट से अवैध परिवहन में संलिप्त बिना नंबर के ट्रैक्टर जॉन डियर इंजन नंबर ब्स्3029क्653509 को जब्त कर थाना कमर्जी में खड़ा कराया गया। जप्त वाहनों के मालिकों एवं चालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही हेतु कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई हेतु जिला परिवहन अधिकारी को पृथक से पत्र प्रेषित किया जाएगा। खनिज, राजस्व एवं पुलिस अमले द्वारा जिले में अवैध खनन की रोकथाम हेतु निरंतर संयुक्त कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में सैनिक शिवशंकर सिंह, तेजबहादुर सिंह, अनिल पाठक एवं वाहन चालक रामपाल केवट की भूमिका सराहनीय रही। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगे भी ऐसी सख्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

नवजात का मिला शव,पाप छिपाने कलयुगी ने किया अपराध,पूरे शहर में हो रही चर्चा

नर्सिंग होंमो, निजी क्लीनिक में हो रही भ्रूण हत्या की पोल खोल रहा शव

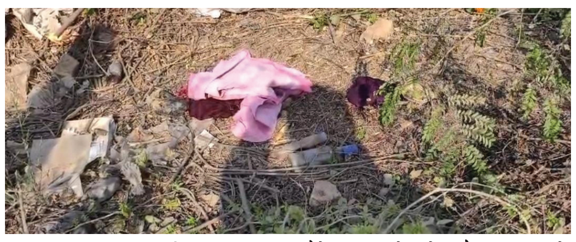

लोकतंत्र की शान , रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो सीधी

सीधी । जिले के गांधी स्कूल के पीछे गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सड़क किनारे एक नवजात शिशु का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने जैसे ही शिशु को देखा, मौके पर भीड़ जमा हो गई और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिशु परिपक्व (पूर्ण विकसित) प्रतीत हो रहा था, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि जन्म के बाद उसे निर्दयता से फेंक दिया गया। करीब एक घंटे तक लोग मौके पर खड़े रहे और घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शिशु के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह अमानवीय कृत्य किसने और किन परिस्थितियों में किया। घटना ने एक बार फिर समाज और व्यवस्था के सामने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमीरगंज कांजी हाउस का निरीक्षण, व्यवस्थाओं में हुए सुधार का लिया जायज़ा,गौ सेवा में लापरवाही पर सख़्त रुख, व स्वच्छता पर विशेष ध्यान , महापौर

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ
जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी- नगर निगम द्वारा संचालित अमीरगंज स्थित कांजी हाउस में गौ माता एवं मवेशियों की सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा सतत निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार 22 जनवरी को महापौर ने पुनः अमीरगंज कांजी हाउस पहुँचकर पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की स्थिति का जायज़ा लिया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने गौ माता एवं मवेशियों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल, चारा-भोजन की व्यवस्था एवं परिसर की साफ़-सफ़ाई का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पशुओं को किसी भी स्थिति में स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त व गुणवत्तायुक्त भोजन तथा साफ़-सुथरा वातावरण मिलना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 13 जनवरी को महापौर द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था,स्वच्छ पेयजल को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए थे। गुरुवार के निरीक्षण में महापौर ने इन निर्देशों के अनुरूप व्यवस्थाओं में किए गए सुधारों का अवलोकन किया तथा शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। महापौर ने कहा कि गौ सेवा केवल प्रशासनिक कार्य नहीं बल्कि समाज और संस्कृति से जुड़ी नैतिक जिम्मेदारी है। नगर निगम इस दिशा में किसी भी तरह समझौता नहीं करेगा और कांजी हाउस की व्यवस्थाओं को निरंतर बेहतर बनाया जाएगा।उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं गौ सेवकों से समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू,डॉ रमेश सोनी,गोविंद चावला,पार्षद सीमा श्रीवास्तव,शकुंतला सोनी,वंदना राजकिशोर यादव सहित,पूर्व पार्षद राजू माखीजा,प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ,अन्य कर्मचारियों एवं गौ-सेवकों की उपस्थिति रही।

2 फीट की बेटी को लेकर मां पहुंची कलेक्टर सीधी के दरबार, इलाज के लिए मांगी राहत

» तीन साल पहले लाठी से हमला, आज भी दर्द में कट रही जिंदगी

लोकतंत्र की शान सीधी, रामबिहारी पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख

जिले के कलेक्ट्रेट कार्यालय में उस वक्त माहौल भावुक हो गया, जब नौगवां धीर सिंह गांव की रहने वाली मुनिया भुजवा अपनी 20 वर्षीय बेटी रानी भुजवा को लेकर कलेक्टर सीधी स्वरोचिस सोमवंशी के समक्ष पहुंचीं। मात्र 2 फीट कद की बेटी को साथ लेकर पहुंची मां ने प्रशासन से उसके इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। पीड़िता की मां मुनिया भुजवा ने आवेदन के माध्यम से बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व उनके ही परिवार के एक व्यक्ति ने रानी के साथ बेरहमी से मारपीट की थी। लाठी से किए गए हमले में रानी की रीढ़ की हड्डी टूट गई, जिसके बाद से उसकी शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। आज हालत यह है कि रानी सीधे खड़े होकर चलने में असमर्थ है, झुककर चलने को मजबूर है और हर समय असहनीय दर्द में अपनी जिंदगी गुजार रही है।

गरीबी बनी इलाज में सबसे बड़ी बाधा– पीड़िता की मां ने बताया कि वह बेहद गरीब है। बेटी के इलाज के लिए उनके पास न तो पर्याप्त पैसे हैं और न ही कोई स्थायी सहारा। इलाज और दवाइयों का खर्च उठाना उनके लिए नामुमकिन हो गया है। इसी मजबूरी के चलते वह कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और शासन-प्रशासन से मदद की उम्मीद लगाई।

मुनिया भुजवा ने कहा कि यदि शासन से कोई राहत राशि मिल जाए, तो वह अपनी बेटी का बेहतर इलाज करवा सकेगी और उसे कुछ हद तक दर्द से राहत मिल पाएगी।

मारपीट का मामला न्यायालय में लंबित– महिला ने यह भी बताया कि मारपीट की घटना को लेकर संबंधित थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया था, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। इसके बावजूद अब तक पीड़ित परिवार को इलाज या पुनर्वास के लिए कोई ठोस सहायता नहीं मिल सकी है।

प्रशासन ने जांच का दिया आश्वासन– इस पूरे मामले पर सीधी के अपर कलेक्टर बीपी पांडे ने बताया कि महिला अपनी बेटी के साथ आवेदन लेकर आई थी। आवेदन प्राप्त होने के बाद पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन की उपलब्ध योजनाओं और नियमों के तहत इलाज के लिए जो भी संभव सहायता होगी, वह प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। 2 फीट कद की बेटी और उसकी बेबस मां की यह मार्मिक कहानी न सिर्फ प्रशासन बल्कि समाज के सामने भी कई सवाल खड़े करती है। अब देखना यह होगा कि जांच के बाद पीड़ित परिवार को कब और कितनी राहत मिल पाती है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण कोरिया के पूर्व पीएम हान डक-सू को 23 साल जेल की सजा, 2024 के तख्तापलट में शामिल थे

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू को 23 साल की जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने ये भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल ने दिसंबर 2024 में मार्शल लॉ लगाया था, वो असल में एक विद्रोह था। हान डक-सू यून सरकार के पहले अधिकारी हैं जिन्हें दिसंबर 2024 में लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के मामले में दोषी ठहराया गया है। माना जा रहा है कि यह फैसला आगे चलकर यून सुक-योल और उनके अन्य सहयोगियों के मामलों पर असर डालेगा, जिन पर भी विद्रोह के आरोप लगे हैं। हान डक-सू को यून सुक-योल ने प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। मार्शल लॉ के दौरान वे उन तीन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने अस्थायी रूप से देश की जिम्मेदारी संभाली थी। इसी संकट के बाद यून सुक-योल का महाभियोग हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। दक्षिण कोरिया में विद्रोह सबसे गंभीर अपराधों में से एक माना जाता है। इस मामले में स्पेशल जांच दल ने यून सुक-योल के लिए मौत की सजा की मांग की है। यून पर विद्रोह की साजिश रचने का आरोप है। सियोल की अदालत 19 फरवरी को यून के मामले में फैसला सुनाने वाली है। टीवी पर सुनाए गए फैसले में अदालत ने कहा कि यून का मार्शल लॉ आदेश विद्रोह के बराबर था। अदालत ने माना कि संसद और चुनाव कार्यालयों में सेना और पुलिस को भेजना संविधान को कमजोर करने की कोशिश थी। अदालत ने इसे 'दंगा' और 'खुद तख्तापलट' बताया, जिससे देश की स्थिरता का गंभीर खतरा पैदा हुआ।

गुजरात-सांसद शक्ति सिंह के भतीजे ने पत्नी को गोली मारी

अहमदाबाद। गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी की गले में गोली लगने से हुई मौत के बाद आत्महत्या कर ली। यशराज की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। पुलिस के मुताबिक यशराज ने बुधवार रात 11:45 बजे 108 पर कॉल करके एंबुलेंस को बुलाया था। कॉल में यशराज ने पत्नी राजेश्वरी के घायल होने की बात कही थी। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम ने राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया। इससे पहले यशराज ने एंबुलेंस टीम को बताया कि उससे लाइसेंसी पिस्टल से गलती से गोली चल गई थी, जो सीधे पत्नी के गले में जा लगी। मेडिकल टीम जब राजेश्वरी का शव एंबुलेंस में रखने के लिए बाहर गई, तभी यशराज ने कमरे में जाकर खुद को गोली मार ली। यशराज की भी मौके पर मौत हो गई थी। यशराज सिंह गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। उन्हें हाल ही में क्लास 2 से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किया गया था। वस्त्रापुर पुलिस और क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद एनआरआई टावर के गेट बंद कर दिए गए हैं। पुलिस तैनात है। फ्लैट में रहने वालों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की परमिशन नहीं है। घटना के समय यशराज की मां दूसरे कमरे में ही मौजूद थीं, लेकिन उन्हें इस घटना के बारे में एंबुलेंस की टीम आने के बाद पता चला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिवार के मुताबिक यशराज और राजेश्वरी बुधवार रात एक रिश्तेदार के घर डिनर पर गए थे। वहां से लौटने के बाद ही यह घटना हुई। यशराज सिंह गोहिल के करीबी लोगों ने बताया कि दोनों शादी से बहुत खुश थे। दोनों ने कोई मन्नत भी मांगी थी और मन्नत पूरी होने पर मंगलवार को सोला इलाके के रानुजा मंदिर भी गए थे। इसके अलावा दोनों के वीजा की भी प्रोसेस चल रही थी। अगले महीने विदेश टूर का प्लान था। राजेश्वरी टूर की तैयारी भी कर रही थी।

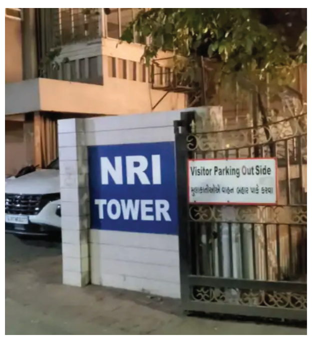

यूपी -राजस्थान, हरियाणा के 27 जिलों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देश के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी के बाद अब बारिश-ओलावृष्टि का दौर शुरू होने की चेतावनी है। आज से राजस्थान, हिमाचल और पंजाब-हरियाणा में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है। यूपी के 15, राजस्थान और हरियाणा के 6-6 जिलों में बारिश हो सकती है। इस दौरान 60kmph की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ जगहों पर ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। हिमाचल प्रदेश के चंबा, कुल्लू और लाहौल-स्पीति में आज बर्फबारी का ऑरेंज अलर्ट है। यहां भी 22 से 24 जनवरी तक तेज बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जताई गई है। उत्तराखंड के 5 जिलों में आज और कल बर्फबारी का अलर्ट है। फिलहाल यहां पारा माइनस में चल रहा है। चमोली के वाण गांव में झरना जमा हुआ दिखाई दिया। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अगले 7 दिनों में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो सकते हैं। इससे 9 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम और बिगड़ सकता है। पश्चिमी विक्षोभ या वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। तापमान में गिरावट आएगी, साथ ही पाला पड़ने और कोल्डवेव के हालात बन सकते हैं।

धार-भोजशाला में दोपहर 12 बजे तक पूजा, फिर नमाज होगी

नई दिल्ली/भोपाल। मध्य प्रदेश में धार की भोजशाला में बसंत पंचमी पर हिंदू पक्ष की पूजा के साथ ही मुस्लिम समाज भी नमाज अता कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित समाधान देते हुए कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे तक नमाज के लिए परिसर के भीतर ही एक अलग और विशेष क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा, जहां आने-जाने के लिए अलग प्रवेश और निकास मार्ग होंगे, ताकि नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। वहीं, हिंदू समुदाय को भी पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए परिसर में अलग स्थान दिया जाएगा। दरअसल, हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने 23 जनवरी को बसंत पंचमी पर पूरे दिन अखंड सरस्वती पूजा की अनुमति के लिए 20 जनवरी को याचिका दायर की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आज (22 जनवरी) फैसला सुनाया है। मामले की सुनवाई CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष के वकील ने कहा कि बीते कुछ वर्षों से बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ रही है। कल बसंत पंचमी है और सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा, हवन और पारंपरिक अनुष्ठान होंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के वकील ने अदालत को आश्वस्त किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की पूरी व्यवस्था की जाएगी, जैसा कि पूर्व वर्षों में किया जाता रहा है। मस्जिद पक्ष के वकील ने कहा कि दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद परिसर खाली कर दिया जाएगा। हिंदू पक्ष की ओर से यह सुझाव दिया गया कि नमाज शाम 5 बजे के बाद कराई जाए, ताकि पूजा निर्बाध चल सके। इस पर मस्जिद पक्ष ने स्पष्ट किया कि जुमे की नमाज का समय बदला नहीं जा सकता। अन्य नमाजों के समय में बदलाव संभव है।

बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक इस्लामिक पार्टी सरकार बना सकती है

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वे में जमात देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वह पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) को कड़ी टक्कर दे रही है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को 300 सीटों संसदीय पर आम चुनाव होंगे। जमात-ए-इस्लामी वही पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की आजादी का विरोध किया था और पाकिस्तानी सेना का साथ दिया था। देश की आजादी के बाद 1972 में इस पर बैन लगा दिया गया था। यह बैन 1975 में हटाया गया और 1979 में जियाउर रहमान के शासन में पार्टी को चुनाव में भाग लेने की अनुमति मिली।

सर्वे में जमात और BNP में मामूली अंतरः अमेरिकी संस्था इंटरनेशनल रिपब्लिकन इंस्टीट्यूट (IRI) ने दिसंबर में कराए गए एक सर्वे में बताया था कि BNP को 33% और जमात को 29% लोगों का समर्थन मिला है। वहीं जनवरी में किए गए एक जॉइंट सर्वे में BNP को 34.7% और जमात को 33.6% समर्थन मिला था। यह सर्वे नरेटिव, प्रोजेक्शन BD, इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ एंड डिप्लोमेसी (IILD) और जगोरन फाउंडेशन ने मिलकर किया था।

जमात नेता बोले- हम टकराव वाली राजनीति नहीं कर रहेः जमात के प्रमुख शफीकुर रहमान का कहना है कि उनकी पार्टी अब विरोध और टकराव की राजनीति नहीं बल्कि लोगों के हितों की राजनीति कर रही है। उन्होंने मेडिकल कैंप लगाने, बाढ़ पीड़ितों की मदद करने और आंदोलन में मारे गए लोगों के परिवारों को सहायता देने की बात कही। एक्सपर्ट्स का मानना है कि लोगों में पिछली सरकार की नीतियों को लेकर गुस्सा है, जिसका फायदा जमात को मिला। पार्टी अब 'इस्लाम ही समाधान है' का नारा देकर खुद को एक नैतिक विकल्प के रूप में पेश कर रही है। ढाका में नारियल पानी बेचने वाले मोहम्मद जलाल ने मीडिया से कहा कि लोग अब पुराने दलों से थक चुके हैं और उन्हें जमात एक नया और साफ विकल्प लगता है।

◘ सर्वे में दूसरे नंबर पर पहुंची, इसने देश की आजादी का विरोध किया था

अवामी लीग पर बैन से जमात को फायदा संभवः अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिर गई थी, जिसके बाद उनकी पार्टी अवामी लीग पर बैन लगा दिया गया। इसके बाद से नोबेल विजेता मोहम्मद यूनुस देश की अंतरिम सरकार चल रहे हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, अवामी लीग पर बैन लगने के बाद बांग्लादेश की राजनीति में खाली जगह बनी, जिसका फायदा जमात-ए-इस्लामी को मिला। लंबे समय से हाशिए पर रही यह पार्टी अब सत्ता के करीब नजर आ रही है। जमात ने ऐलान किया है कि वह 179 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दूसरी तरफ BNP की कमान अब खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान के हाथ में है। खालिदा जिया की हाल ही में मौत हो चुकी है।

ट्रम्प ने जंग सुलझाने वाला बोर्ड ऑफ पीस लॉन्च किया

एजेंसी, दोहा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को दावोस में जंग सुलझाने के लिए बनाए गए 'बोर्ड ऑफ पीस' को लॉन्च कर दिया है। ट्रम्प ने कहा कि इस बोर्ड का शुरुआती मकसद गाजा में हुए युद्धविराम को मजबूत करना है, लेकिन आगे चलकर यह दूसरे ग्लोबल विवादों में भी भूमिका निभा सकता है। इसके हस्ताक्षर समारोह में 20 से ज्यादा देशों के नेता मौजूद रहे। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सहयोगी माने जाने वाले ज्यादातर यूरोपीय देश इस समारोह से गायब रहे। जबकि सऊदी अरब, कतर, UAE, अर्जेंटीना और पराग्वे के नेता वहां मौजूद थे। फिलहाल भारत की स्थिति अभी तक साफ नहीं है।

♦ ज्यादातर यूरोपीय देश गायब रहे, अभी तक भारत की स्थिति साफ नहीं

ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा था। पहले माना जा रहा था कि कार्यक्रम में 35 देशों के नेता शामिल हो सकते हैं।

बोर्ड ऑफ पीस क्या है?: ट्रम्प ने पहली बार पिछले साल सितंबर 2025 में गाजा युद्ध खत्म करने की योजना पेश करते हुए इस बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने करीब 60 देशों को इस बोर्ड में शामिल होने का न्योता भेजा है। पिछले हफ्ते दुनिया के नेताओं को भेजे गए न्योते में बताया गया कि इस बोर्ड की भूमिका सिर्फ गाजा तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर संघर्षों को सुलझाने में भी काम करेगा। भेजे गए एक मसौदा चार्टर में कहा है कि जो देश तीन साल से ज्यादा समय तक इस बोर्ड का सदस्य बनना चाहते हैं, उन्हें 1 अरब डॉलर का योगदान देना होगा।

मुंबई समेत 15 नगर निगम में महिला महापौर होंगी

एजेंसी, मुंबई

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में से मुंबई समेत 15 में महिलाएं मेयर होंगी। गुरुवार को मुंबई में लॉटरी सिस्टम से इन्हें चुना गया। परभणी नगर निगम पर महिला महापौर को लेकर आपत्ति दर्ज की गई है। लॉटरी सिस्टम पर शिवसेना (UBT) नेता और मुंबई की पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर ने विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला लेने के नियम बिना किसी को बताए बदल दिए गए। पिछले दो मेयर सामान्य वर्ग के थे, इसलिए नई मेयर अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) या अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग से होना चाहिए था।

◘ उद्धव गुट का आरोप- बीएमसी के लिए नियम बदले

29 में से 12 सीटें ST, SC, OBC कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर SC कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं। इन नगर निगमों में 15 जनवरी को मतदान हुआ था और रिजल्ट 16 जनवरी को आया था।

यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को मंजूरी दी

एजेंसी, ब्रुसेल्स

यूरोपीय यूनियन (EU) ने भारत के साथ नए रक्षा समझौते (सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट) को मंजूरी दे दी है। अगले हफ्ते नई दिल्ली में होने वाले भारत-EU शिखर सम्मेलन में इस पर साइन होंगे। EU की विदेश नीति प्रमुख काजा कलास ने बुधवार को यूरोपीय संसद में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा यह साझेदारी एक बड़े रणनीतिक एजेंडे का हिस्सा होगी। इस एजेंडे में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी मुक्त व्यापार समझौता (FTA), डिफेंस एंड सिक्योरिटी डील, साइबर सिक्योरिटी, समुद्री सुरक्षा और काउंटर टेररिज्म शामिल है। यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत आ रहे हैं। वे 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। भारत-EU शिखर सम्मेलन अगले दिन 27 जनवरी को होगा।

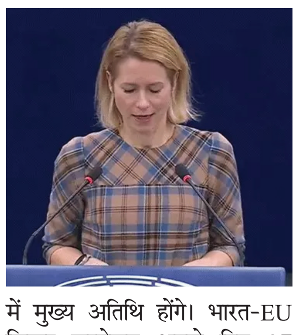

बोलीं- एग्रीमेंट आतंकवाद से मुकाबले में मददगारः कलास ने बताया कि भारत और EU के बीच सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट से आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे समुद्री सुरक्षा और साइबर सिक्योरिटी जैसे सेक्टर्स में सहयोग बढ़ेगा। कलास ने कहा कि यूरोप भारत के साथ एक नए और मजबूत एजेंडे पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत, यूरोप की आर्थिक मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता जा रहा है। भारत आ रहे EU के प्रतिनिधिमंडल में लगभग 90 सदस्य शामिल होंगे। इनमें काजा कलास, ट्रेड कमिश्नर मारोस सेफकोविक और कई डायरेक्टर्स होंगे।

अगले हफ्ते दिल्ली में डील होगी, ईयू बोला- आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में मदद मिलेगी

भारत-EU में ट्रेड डील भी संभवः भारत और EU के बीच 27 जनवरी को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन हो सकते हैं। इसके लिए दोनों देश कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करेंगे। पहले यूरोपीय संसद को हां करनी होगी। यूरोपीय काउंसिल की मंजूरी के बाद ट्रेड कमिश्नर सेफकोविक इसे भारत के सामने साइन के लिए पेश करेंगे। समिट के दौरान भारत और EU 2030 तक के लिए एक राजनीतिक एजेंडा भी पेश करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल दोनों देश अभी कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (CBAM) जैसे विवादित मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए बात कर रहे हैं। CBAM के तहत स्टील और सीमेंट जैसे उत्पादों पर कार्बन टैरिफ के लिए बनाए गए नियम है। अगर कोई देश बहुत प्रदूषण करके सामान बनाता है। फिर उसे यूरोप में लाया जाता है, तो यूरोप उस पर अतिरिक्त टैक्स लगाता है। EU ने इस पॉलिसी को लेकर अब तक कोई बदलाव नहीं किया है। दोनों देश इसका हल निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

मणिपुर में मैतेई शख्स की गोली मारकर हत्या

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में मैतेई गुट के एक शख्स की आदिवासी महिला से अफेयर के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान मयांगलांबम ऋषिकांत (38) के रूप में हुई है। वह काकचिंग खुनौ का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, 21 जनवरी की रात को अज्ञात बदमाशों ने उसका तुइबुओंग इलाके से अपहरण कर लिया और बाद में चुराचांदपुर के टी नटजांग गांव में उसकी हत्या कर दी। आरोपियों ने पूरी घटना को रिकॉर्डिंग भी की। इसका वीडियो अब सामने आया है। पहले आरोपी ऋषिकांत से स्थानीय भाषा में कुछ बात करते हैं। इस दौरान पीड़ित हाथ जोड़कर उनसे माफी भी मांगता है। फिर भी बगल में खड़ा शख्स ऋषिकांत के सिर के पास गोली मार देता है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। हालांकि अधिकारियों ने अफेयर के दावों की पुष्टि नहीं की है। ऋषिकांत की बहन आशा लता ने बताया कि उसका भाई पहले नेपाल में काम करता था और वहीं रहता था। राज्य में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से वह महिला के संपर्क में नहीं था। वह कई दिनों से घर भी नहीं आया। बहन का आरोप है कि उसके भाई को महिला ने ही बुलाया था। वह भी इस घटना में शामिल हो सकती है। पुलिस ने अभी तक परिवार के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ऋषिकांत की हत्या के विरोध में काकचिंग में प्रदर्शनः ऋषिकांत की हत्या के बाद गुरुवार को काकचिंग जिले में विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने काकचिंग खुनौ में इंफाल-सुगनू सड़क को जाम कर दिया। जिससे कई घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा। इस बीच, COCOMI नाम के एक संगठन ने एक बयान में हत्या की निंदा की और संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के शामिल होने का आरोप लगाया, हालांकि पुलिस ने अपराधियों की पहचान की पुष्टि नहीं की है।

♦ आदिवासी महिला के साथ अफेयर था, आरोपियों ने पहले बात की, फिर शूट कर दिया

गैंगरेप की शिकार युवती की मौतः मणिपुर में 3 मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के तुरंत बाद गैंगरेप का शिकार हुई 20 साल की युवती की 18 जनवरी को मौत हो गई है। गैंगरेप के समय वह सिर्फ 18 साल की थी। युवती लगभग तीन साल पहले किडनैपिंग और गैंगरेप के सदमे से अब तक उबर नहीं पाई थी। पीड़ित ने 21 जुलाई, 2023 को FIR दर्ज कराई थी। इसमें उसने आरोप लगाया था कि 15 मई, 2023 को काले रंग की टी-शर्ट पहने चार हथियारबंद लोग उसे सफेद बोलेरो में किडनैप कर पहाड़ी इलाके में ले गए। ड्राइवर को छोड़कर उनमें से तीन ने बारी-बारी से उसके साथ रेप किया था।

झारखंड के देवघर में ट्रेन और ट्रक की टक्कर, ट्रक का पिछला हिस्सा टूटा

एजेंसी, देवघर

झारखंड के देवघर में गुरुवार को तेज रफ्तार ट्रेन रेलवे क्रॉसिंग पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस घटना के बाद ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। साथ ही एक बाइक और स्कूटी ट्रक के नीचे दब गई। दोनों के परखच्चे उड़ गए। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रेन के आने की सूचना पर रोहिणी नावाडीह रेलवे फाटक को बंद किया जा रहा था। इसी दौरान धान से लदा ट्रक रेलवे क्रॉसिंग पर फंस गया। इसी बीच जसीडीह से आसनसोल जा रही गोंडा-आसनसोल पैसेंजर ट्रेन आ गई। ट्रेन आता देख ट्रक के ड्राइवर और बाइक-स्कूटी सवार लोग भाग गए।

बाइक-स्कूटी भी दबी, रेलवे क्रॉसिंग बंद न होने से हादसा

आसपास के लोगों ने बताया, 'घटना के समय रेलवे फाटक पूरी तरह बंद नहीं था। इसी दौरान धान से लदा ट्रक फाटक पार कर रहा था। तभी तेज रफ्तार पैसेंजर ट्रेन फाटक पर आ गई और ट्रक से टकरा गई। ट्रक कुछ दूरी तक घसीटता चला गया।

मौके पर मौजूद मोटरसाइकिल सवार अपनी बाइक छोड़कर भाग निकले, वहीं ट्रक चालक भी सुरक्षित उतरने में सफल रहा।' घटना के समय क्रॉसिंग पर खड़े लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाया। ट्रक ड्राइवर की लापरवाही सामने आई है।

छत्तीसगढ़- बलौदाबाजार के प्राइवेट स्टील प्लांट में ब्लास्ट, 6 मौतें

एजेंसी, बलौदाबाजार

छत्तीसगढ़ में बलौदाबाजार जिले के बकुलाही इलाके में स्थित स्पंज आयरन प्लांट में हुए ब्लास्ट से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं। शुरुआती जांच में ये सामने आया है कि डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया था। फिलहाल, टीम जांच कर रही है। विस्फोट प्लांट की कोल भट्ठी (कोल किल्न) में गुरुवार सुबह करीब 9.40 बजे हुआ। ब्लास्ट के दौरान गर्म कोयला और मलबा नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिरा, जिससे कई लोग झुलस गए। धमाके के बाद दूर तक धुएं का गुबार दिखा। घायलों को तत्काल भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CSC) और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से घायलों को बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है। मृतक बिहार के रहने वाले हैं। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य में जुटी हुई हैं।

मौके पर कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के साथ जिला प्रशासन की टीम मौजूद है। रियल स्टील प्लांट को सील कर दिया गया है। प्लांट प्रबंधन से पूछताछ की जा रही है। फैक्ट्री नितेश अग्रवाल की बताई जा रही है। कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि बकुलाही क्षेत्र में रियल इस्पात कंपनी में सुबह करीब 9:40 बजे बड़ा हादसा हुआ। कोल भट्ठी (कोल किल्न) के डस्ट सेटलिंग चैंबर से गर्म राख (ऐश) ले जा रही पाइपलाइन में लीकेज हो गया, जिससे गर्म राख नीचे गिर गई। इस हादसे में नीचे काम कर रहे 6 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए बिलासपुर के बर्न ट्रीटमेंट सेंटर भेजा गया है।

ट्रम्प का यू-टर्न, यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ नहीं लगाएंगे

एजेंसी, दावोस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ लगाने से पीछे हट गए हैं। ये टैरिफ 1 फरवरी से लगने वाले थे। ट्रम्प ने बुधवार को कहा कि उन्होंने दावोस में NATO चीफ जनरल मार्क रुट के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उनकी NATO चीफ के साथ ग्रीनलैंड को लेकर होने वाले समझौते की बुनियादी बातें तय हो गई हैं। अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह अमेरिका और NATO के सभी देशों के लिए फायदेमंद होगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका, NATO और दूसरे देश मिलकर पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा पर काम करेंगे, जिसमें ग्रीनलैंड भी शामिल रहेगा। हालांकि ट्रम्प ने इस समझौते की पूरी जानकारी देने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मामला थोड़ा मुश्किल है और इसकी पूरी जानकारी बाद में दी जाएगी।

ग्रीनलैंड डील का फ्रेमवर्क क्या हैः ट्रम्प और NATO के बीच ग्रीनलैंड फ्रेमवर्क के तहत कई बिंदुओं पर सहमति बनी है। इसके तहत ग्रीनलैंड और पूरे आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा NATO और अमेरिका मिलकर करेंगे। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि यह डील जल्द सार्वजनिक की जाएगी। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका को ग्रीनलैंड में कुछ सीमित इलाकों में अपने सैन्य ठिकाने बनाने की अनुमति मिलेगी। इन ठिकानों का इस्तेमाल जमीन, समुद्र और हवा तीनों मोर्चों पर निगरानी और रक्षा के लिए होगा। इसके साथ ही NATO, अमेरिका के प्रस्तावित 'गोल्डन डोम' मिसाइल डिफेंस सिस्टम में भी सहयोग करेगा। फ्रेमवर्क में यह भी शामिल है कि ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों पर अमेरिका और यूरोप साझेदारी होगी। रूस और चीन को इस इलाके में आर्थिक या सैन्य पकड़ बनाने से रोका जाएगा।

◘ ग्रीनलैंड समझौते पर नाटो चीफ के साथ बातचीत की, कहा- डील की जानकारी जल्द पब्लिक करूंगा

CBS न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस समझौते में अमेरिका के ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण या मालिकाना हक में लेने की कोई बात नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, इस ढांचे के तहत ग्रीनलैंड की सुरक्षा मौजूदा 1951 के अमेरिका-डेनमार्क समझौते से भी ज्यादा मजबूत की जाएगी।

दावोस 2026 का कूटनीतिक विद्रोह और बदलती विश्व व्यवस्था- अमेरिका फर्स्ट से वैश्विक फ्रैक्चर तक-एक निर्णायक मोड़ का समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» दावोस 2026-केवल आर्थिक मंच नहीं,बल्कि वैश्विक सत्ता संघर्ष का अखाड़ा :- भारत-यूरोप -अमेरिका त्रिकोण :रणनीतिक संतुलन की नई परीक्षा

» भारत-यूरोप-अमेरिका क़े लंबे समय से लोकतांत्रिक मूल्यों मुक्त व्यापार और साझा सुरक्षा हितों क़ो ट्रंप युग की आक्रामक अमेरिका फर्स्ट नीति ने संभवत: अस्थिर कर दिया है -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर 19-23 जनवरी 2026 को स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की 56वीं वार्षिक बैठक इतिहास में केवल आर्थिक बहसों के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका और उसके परंपरागत सहयोगियों के बीच खुले कूटनीतिक टकराव के लिए याद की जाएगी।यह वही मंच है,जहाँ वैश्विक सहमति बनती रही है, लेकिन इस बार वैश्विक असहमति ने स्वर लिया।ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल अब स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा है कि अमेरिका फर्स्ट अब अमेरिका अलोन की ओर बढ़ रहा है, और यही बात यूरोप,कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों के लिए असहनीय बनती जा रही है।22 जनवरी को ट्रंप जब दावोस के लिए रवाना हो रहे थे, तभी उनके विमान में तकनीकी खराबी आ गई।उन्हें सीमा क्षेत्र में आपात लैंडिंग करनी पड़ी और फिर दूसरे विमान से दावोस पहुँचना पड़ा।यह घटना केवल एक तकनीकी व्यवधान नहीं थी,बल्कि कई विश्लेषकों ने इसे अमेरिकी नेतृत्व की अस्थिरता का प्रतीकात्मक संकेत माना।योजना के अनुसार ट्रंप को 45 मिनट का भाषण देना था, लेकिन उन्होंने 70 मिनट तक मंच पर रहकर यूरोप,नाटो, कनाडा और वैश्विक व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। यह भाषण रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक और चेतावनी-भरा था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह समझता हूं क़ि ट्रंप का दावोस भाषण यह स्पष्ट करता है कि वे अब साझेदारी की भाषा छोड़ चुके हैं और शक्ति की राजनीति को खुलकर अपना चुके हैं।उनके भाषण के पाँच प्रमुख बिंदु (1) ग्रीनलैंड की सुरक्षा केवल अमेरिका कर सकता है,संप्रभुता पर खुली चुनौती (2) (3) कनाडा अमेरिका की वजह से है,मित्र राष्ट्र का अपमान (4) नाटो पर ट्रंप का अविश्वासः सुरक्षा गठबंधन की नींव हिलती हुई (5) ग्रीनलैंड के लिए ताकत का इस्तेमाल नहीं करेंगेलेकिन शर्तों के साथ यह पांचो बातें विश्व राजनीति में दूरगामी प्रभाव डालते हैं। साथियों बात अगर हम ट्रंप द्वारा दाओस 2026 में 70 मिनट क़े भाषण में पांच बातों को विस्तार से समझने की करें तो (1) ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ग्रीनलैंड की सुरक्षा केवल अमेरिका कर सकता है,और यह किग्रीनलैंड अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से अनिवार्य है।यह बयान डेनमार्क और यूरोपीय यूनियन की संप्रभुता पर सीधा आघात है।ग्रीनलैंड न केवल आर्कटिक क्षेत्र में स्थित है,बल्किदुर्लभ खनिजों,सामरिक समुद्री मार्गों, और भविष्य की ऊर्जा राजनीति का केंद्र भी है। ट्रंप का यह दावा बताता है कि अमेरिका अब अंतरराष्ट्रीय कानून से ऊपर स्वयं को मानने की मानसिकता में प्रवेश कर चुका है।(2) ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध करने के लिए ट्रंप ने डेनमार्क को अहसान -फरामोश कहा। यह भाषा किसी राष्ट्राध्यक्ष की नहीं, बल्कि कॉरपोरेट बॉस या गैंग लीडर की शैली जैसी प्रतीत होती है।यही कारण है कि यूरोपीय सांसदों और मीडिया ने ट्रंप को इंटरनेशनल गैंगस्टर तक कहा। यह छवि अब केवल आलोचना नहीं, बल्कि वैश्विक धारणा बनती जा रही है। (3) ट्रंप ने कहा कि आज का कनाडा अमेरिका की वजह से है,और कनाडा के पीएम को यह याद रखना चाहिए।यह बयान न केवल ऐतिहासिक रूप से भ्रामक है, बल्कि कनाडा की संप्रभुता और आत्मसम्मान पर सीधा हमला है।यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कारने का भाषण दावोस का सबसे चर्चित भाषण बन गया।मार्क कारने का जवाब,झूठ की दुनिया बनाम सम्मान की राजनीति मार्क कारने ने कहा, हम एक झूठ की दुनियाँ में जी रहे हैं, जहाँ कमजोर देशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे ताकतवर देशों के सामने झुक जाएँ। यह सोच कि इससे उनके हित सुरक्षित

रहेंगे,एक प्रकार की गुलामी है और यह अब नहीं चलेगी। उनकी पाँच मुख्य बातें स्पष्ट संकेत देती हैं कि अमेरिका -केंद्रित वैश्विक व्यवस्था अब टूट रही है।(4)ट्रंप ने कहा कि उन्हें शक है कि जरूरत पड़ने पर नाटो अमेरिका की मदद करेगा या नहीं।यह बयान नाटो जैसे संगठन की आत्मा पर प्रहार है।यदि अमेरिका स्वयं अपने बनाए गठबंधन पर विश्वास नहीं करता,तो यूरोप क्यों भरोसा करे?छोटे देश क्यों आश्वस्त रहें?यही कारण है कि यूरोप अब स्वतंत्र सुरक्षा संरचना पर गंभीरता से विचार कर रहा है।(5) ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड हासिल करने के लिए ताकत का इस्तेमाल नहीं करेगा,लेकिन यह कथन किसी आश्वासन की तरह नहीं, बल्कि रणनीतिक दबाव जैसा लगा।इतिहास गवाह है कि अमेरिका पहले ताकत नहीं कहता है,फिर आर्थिक दबाव,प्रतिबंध,और अंततः सैन्य उपस्थिति के ज़रिए लक्ष्य हासिल करता है। साथियों बात अगर हम भारत- यूरोप- अमेरिका त्रिकोण : रणनीतिक संतुलन की नई परीक्षा इसको समझने की करें तो,भारत-यूरोप-अमेरिका का त्रिकोण लंबे समय तक लोकतांत्रिक मूल्यों, मुक्त व्यापार और साझा सुरक्षा हितों पर आधारित माना जाता रहा है, लेकिन ट्रंप युग की आक्रामक अमेरिका फर्स्ट नीतिने इस संतुलन को अस्थिर कर दिया है। यूरोप अब खुलकर अमेरिकी दबावों का विरोध कर रहा है, जबकि भारत इस टकराव में प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने की नीति पर चल रहा है। भारत के लिए यह स्थिति अवसर और चुनौती दोनों है,अवसर इसलिए कि यूरोप अब भारत को एक भरोसेमंद आर्थिक और राजनीतिक साझेदार के रूप में देख रहा है, और चुनौती इसलिए कि अमेरिका अब साझेदारी को बराबरी नहीं,बल्कि अधीनता की शर्तों पर परखना चाहता है।इस त्रिकोण में भारत की भूमिका बैलेंसिंग पावर की बनती जा रही है। यूरोप भारत के साथ व्यापार, टेक्नोलॉजी और सप्लाई-चेन में सहयोग बढ़ाना चाहता है, जबकि अमेरिका भारत को चीन-विरोधी रणनीति के एक औज़ार की तरह देखता है। ऐसे में भारत के लिए स्पष्ट है कि उसे किसी एक ध्रुव में बंधने के बजाय मल्टी-अलाइनमेंट की नीति को और मज़बूत करना होगा।दावोस 2026 के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में भारत-यूरोप संबंध अधिक गहरे होंगे, जबकि अमेरिका के साथ रिश्ते हित-आधारित लेकिन सतर्क रहेंगे। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता : शक्ति बनाम नियमों की टकराहट इसको समझने की करें तो,अंतरराष्ट्रीय कानून की मूल आत्मा संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और आपसी सहमति पर आधारित है, लेकिन ट्रंप की भाषा और दावोस में दिए गए बयान इन सिद्धांतों को चुनौती देते दिखाई देते हैं। ग्रीनलैंड को लेकर सुरक्षा के नाम पर दावा करना,डेनमार्क जैसे संप्रभु देश को अपमानित करना और सहयोगी देशों पर दबाव बनाना यह दर्शाता है कि अमेरिका अब नियम-आधारित व्यवस्था से शक्ति-आधारित व्यवस्था की ओर झुक रहा है। यह रुख केवल यूरोप के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक खतरनाक मिसाल बन सकता है।भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील है क्योंकि भारत हमेशा से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संप्रभुता और गैर- हस्तक्षेप का पक्षधर रहा है। यदि शक्तिशाली देश खुले तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून की अनदेखी करने लगें, तो छोटे और मध्यम देशों की सुरक्षा और स्वायत्तता खतरे में पड़ सकती है। इसी कारण भारत और यूरोप दोनों के हित इस बात में निहित हैं कि वे संयुक्त राष्ट्र, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय और बहुपक्षीय संस्थाओं को मज़बूत करें। दावोस 2026 यह स्पष्ट संकेत देता है कि आने वाले समय में वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा संघर्ष कानून बनाम ताकतके बीच होगा, और इसी संघर्ष में नई विश्व व्यवस्था का स्वरूप तय होगा। साथियों बात अगर हम 23 जनवरी 2026 को समाप्त हुई दओस बैठक की करें तो इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि यूरोपीय नेता अब बंद कमरों में नहीं,खुले मंच से ट्रंप का विरोध कर रहे हैं।फ्रांस के राष्ट्रपति एम्मानुएल मैक्रों ने कहा,यूरोप को अब अमेरिका की ताकत के सामने झुकने की आदत छोड़नी होगी।ब्रिटेन के पीएम ने स्पष्ट किया कि वे ग्रीनलैंड मुद्दे पर और टैरिफ धमकियों पर अमेरिका के दबाव में नहीं झुकेंगे।यह बयान इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि ब्रिटेन अमेरिका का सबसे करीबी सहयोगी माना जाता रहा है।अब व्यक्तिगत अहंकारों से संचालित हो रही है।अमेरिका फर्स्ट से विश्व फर्स्ट की टकराहट,ट्रंप का अमेरिका फर्स्ट अब स्पष्ट रूप से बहुपक्षीय संस्थाओं,अंतरराष्ट्रीय नियमों,और साझी जिम्मेदारियों के खिलाफ खड़ा दिखाई देता है। इसके विपरीत, यूरोप और कनाडा सम्मान, साझेदारी और संतुलन की बात कर रहे हैं।दावोस 2026 यह संकेत देता है कि अमेरिका का निर्विवाद नेतृत्व समाप्त हो रहा है,दुनियाँ बहुध्रुवीय नहीं,बल्कि खंडित हो रही है। यह बदलाव किसी नए संतुलन की ओर नहीं,बल्कि अनिश्चितता और टकराव की ओर संकेत करता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि दावोस 2026 इतिहास का मोड़ हैं, दावोस 2026 केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि अमेरिका और उसकेसहयोगियों के बीच विश्वास के टूटने का दस्तावेज़ बन गया है।डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक भाषा,यूरोप का खुला प्रतिरोध,कनाडा और ब्रिटेन की स्पष्ट असहमति ये सब संकेत हैं कि पुरानी विश्व व्यवस्था अब टिकाऊ नहीं रही।दुनिया किसी नए नेतृत्व की ओर नहीं, बल्कि नए संघर्षों और नई सच्चाइयों की ओर बढ़ रही है।यह केवल ट्रंप युग नहीं, बल्कि एक युगांत का संकेत है।

-संकलनकर्ता लेखक-क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र
9284141425

"अमर शहीद हेमू कालाणी"

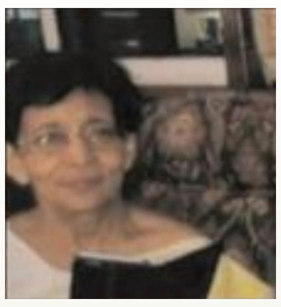

डॉ.जया शुक्ला

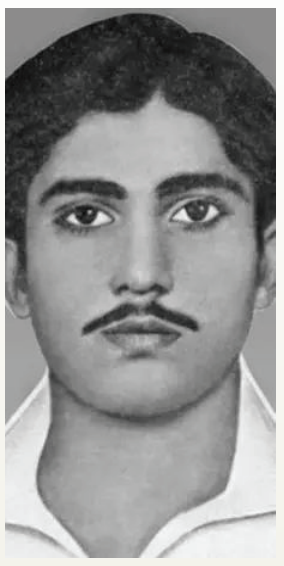

श्री हेमू कालाणी छोटी आयु मेँ ही मातृभूमि की बलिवेदी पर चढ़कर फाँसी के फंदे पर प्रसन्नता से झूल, स्वर्ग को जानेवाले देशके महान क्रान्तिकारियोँ मेँ से एक हैं। मात्र 19 वर्ष की अल्पायु मेँ ही इनकी शहादत हुई। ब्रिटिश भारत के सिंध प्रान्त (अब पाकिस्तान में) के सुक्कर में श्री पेसूमल कालाणी एवं श्रीमती जेठी बाई के पुत्र के रूप मेँ 23 मार्च, 1923 को श्री हेमू कालाणी का जन्म हुआ था। अपनी शिक्षा उन्होँने सुक्कर मेँ प्राप्त की। उस समय तक ब्रिटिश शासन के चंगुल से बाहर निकल पाने की बेचैनी लोगोँ मेँ ज़ोरोँ से फैल चुकी थी। विशेष कर युवा वर्ग अधिक उद्वेलित था। श्री हेमू कालाणी भी इससे अछूते नहीँ थे। वह "स्वराज सेना" मेँ शामिल हो गये और क्रान्तिकारी गतिविधियोँ मेँ भाग लेने लगे। उधर अपने साथियोँ के साथ लोगोँ मेँ विदेशी वस्तुओँ का बहिष्कार करने का प्रचार करने लगे। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की निर्णायक अगस्त क्रान्ति आई। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने लोगोँ को "करो या मरो" का सन्देश दिया। इस आह्वान पर श्री हेमू कालाणी अपने साथी क्रांतिकारियों सहित इसमें शामिल हो गए। विश्वयुद्ध मेँ भारत की सेना के वीर जवान भेजे जा रहे थे, और अपने देश के लिये नहीँ, बल्कि ब्रिटिश उपनिवेश के अन्य देशोँ के लिये बलि चढ़ रहे थे। भारतीय जनमानस इससे विक्षुब्ध था। सन् 1942 का समय था। श्री हेमू कालाणी को पता चला कि ब्रिटिश सैनिकोँ और गोला बारूद से भरी ट्रेन वहाँ से गुज़रने वाली थी। श्री हेमू कालाणी ने तय किया कि उस ट्रेन को डीरेल करेँगे। वह अपने साथियोँ सहित चुपचाप रेलवे ट्रैक से फ़िशप्लेट हटाने की चेष्टा कर रहे थे। किन्तु वह पुलिस की नज़र मेँ आ ही गये। उनके अन्य साथी तो भाग सकने मेँ सफल हो गये, किन्तु वह पकड़ लिये गए। इस घटना से ब्रिटिश प्रशासन को बड़ा झटका लगा। उनसे उनके साथियोँ की जानकारी प्राप्त करने के लिये अनेकोँ तरह से यातनाएँ दी गईं, किन्तु उन्होँने मुँह नहीँ खोला। उन्हेँ कोर्ट ने फाँसी की सज़ा सुनाई। उससमय के सिंध के गण्यमान्य लोगों ने एक पेटीशन दायर की और वायसराय से उनको फाँसी की सज़ा नहीँ देने की अपील की। वायसराय ने इस शर्त पर यह स्वीकार किया कि हेमू कालाणी अपने साथियों का नाम और पता बतायेँ, पर श्री हेमू कालाणी ने यह शर्त अस्वीकार कर दी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रान्तिकारी तो सर्वोच्च बलिदान के लिये पूरी तरह तैयार होकर ही इस युद्धभूमि मेँ उतरते थे। 21 जनवरी, सन् 1943 को श्री हेमू कालाणी के फाँसी दी गई। जब फाँसी से पहले नियमानुसार उनसे उनकी आख़िरी इच्छा पूछी गई, तो उन्होंने भारतवर्ष में फिर से जन्म लेने की इच्छा ज़ाहिर की। "इन्क़लाब ज़िंदाबाद" और "भारत माता की जय" के जयघोष के साथ श्री हेमू कालाणी ने फाँसी स्वीकार की। सिन्ध के क्षेत्र मेँ वह अमर शहीद भगत सिंह के समकक्ष ही माने जाते थे। उनकी शहादत से देश के अनेक वीर प्रेरित होकर स्वतंत्रता संग्राम मेँ आगे आए। उनकी स्मृति को कोटि नमन।

विकास योजनाओं में वित्तीय अनुशासन व श्रमदान : एक सशक्त विकल्प

(राजेश पाठक)

सरकार द्वारा जिन विकास योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाता है उन सारी योजनाओं के निर्माण की रूपरेखा तय किए जाने से लेकर उनके पूर्ण होने तक में वित्तीय अनुशासन का ख्याल रखा जाना परमावश्यक है। जितना यह आवश्यक है कि कोई भी विकास योजना निर्धारित समय सीमा के अंदर पूर्ण हो,उतना ही इस सन्दर्भ में यह भी आवश्यक है कि वह योजना मूल्य प्रभावी हो । इस हेतु किसी भी योजना के हर स्तर पर कुशल वित्तीय प्रबंधन की जरूरत है । मैंने विकास योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन के उस पक्ष पर बल दिया है जिसपर ध्यान केन्द्रित करने से विकास योजनाओं पर किए जाने वाले व्यय को सीमित कर योजना मद में व्यय की जाने वाली राशि के दोहराव पर भी प्रभावशाली अंकुश लगाया जा सकता है । अध्ययन एवं पर्यवेक्षण से पता चलता है कि राज्य सरकार द्वारा विभिन्न विकास मदों में प्रत्येक वर्ष भवनों के निर्माण ,ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पी0सी0सी0 पथ के साथ -साथ तालाब-घाटों ,जाहेरथान एवं कब्रिस्तान की घेराबंदी जैसी योजनाएं संचालित की जाती हैं जिसमें करोड़ों रू0 की राशि खर्च होती है। थोड़ा सा कुशल वित्तीय प्रबंधन कर इन योजनाओं में व्यय की जाने वाली राशि में से जनोपयोगी बचत की जा सकती है। प्रथमः एक से अधिक भवन विहीन विभागों के कार्यालय भवनों के निर्माण की स्थिति में एक ही स्थान पर बनने वाले विभिन्न विभागों के भवनों को पृथक-पृथक आधार तल वाले भवनों के रूप में उनका निर्माण न कर एक ही आधार तल के ऊपर कम से कम एक और भी ऊपरी तल का निर्माण किया जाना चाहिए एवं आवश्यकतानुसार एक से अधिक विभागों द्वारा उसे उपयोग में लाया जाना चाहिए । इससे भवन निर्माण योजना मद की राशि की बचत होगी । दूसरी ओर आधार तल के छत का निर्माण इस प्रकार की रूप रेखा वाला हो कि उस पर एक से अधिक तल बनाया जा सके।ऐसा करने से आधार तल पर होने वाले दोहरे खर्च से बचा जा सकता है,साथ ही साथ उपयोग में लाए जाने वाले भू-क्षेत्र की भी बचत होगी।

दूसरेः शहरी एवं ग्रामीण गलियों का वह हिस्सा, जहां भारी वाहनों का परिचालन नहीं होता है, जिसमे मॉडल प्राक्कलन के आधार पर 04 ईंच पी0सी0सी0 पथ ढलाई कराए जाने का वर्तमान प्रावधान है,में आवश्यक बदलाव लाकर भी विकास योजना मद की करोड़ों राशि की बचत की जा सकती है। यह सर्वविदित है कि जिन क्षेत्रों / गलियों में भारी या मंझोले वाहनों का परिचालन लगभग शून्य है वहां पी0सी0सी0 पथ की ढलाई हेतु 03 इंच का प्रावधान किया जाना चाहिए । एकदम ही अंदर की गलियों में जहां लोग पैदल ही चलते हैं वहां तो 02 ईंच पी0सी0सी0 पथ ढलाई से वर्षों तक पथ टिकाऊ बना रहता है । आवश्यकता इस बात की है कि प्राथमिकता के आधार पर इन क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए एवं प्रशासनिक तथा तकनीकि स्वीकृति के दौरान इस संवेदनशील वित्तीय पक्ष का प्रभावी ढंग से अनुसरण भी किया जाना चाहिए ।

तीसरेः तालाब-घाटों का निर्माण,जाहेरथान की घेराबंदी एवं कब्रिस्तान घेराबंदी जैसी योजनाओं के निर्माण में पूर्ण श्रमदान या फिर आंशिक रूप से किसी खास सीमा तक श्रमदान के प्रावधान को अपनाकर भी विकास योजना मद में व्यय की जाने वाली करोड़ों राशि की बचत की जा सकती है। यह विदित है कि इन योजनाओं के निर्माण का खास धार्मिक एवं सांस्कृतिक पक्ष है । इन योजनाओं के निर्माण के साथ लोगों की धार्मिक एवं सांस्कृतिक आस्थाएँ जुड़ी रहती हैं।लोगों की आस्था इस प्रकार की योजनाओं में इतनी जुड़ी रहती है कि कहीं-कहीं सामाजिक संगठन के क्रियाशील सदस्यों द्वारा पूर्ण श्रमदान एवं आपसी लोगों के बीच दान/चन्दा द्वारा धन उगाही कर इन योजनाओं का विधिवत निर्माण कर लिया जाता है।

अतः ऐसी योजनाओं के निर्माण में सरकार द्वारा श्रमदान की व्यवस्था की दिशा में समुचित विचार कर योजनाओं के निर्माण में कम से कम योजना लागत के दस से बीस प्रतिशत की राशि तक श्रमदान किए जाने का प्रावधान किया जाना चाहिए । आमजनों के बीच श्रम दान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभी श्रमदाताओं को पंचायत या प्रखंड स्तर पर नामित पदाधिकारियों द्वारा इस आशय का प्रमाण पत्र दिया जाना चाहिए एवं योजना शिलापट्ट पर भी श्रम दाताओं के नाम अंकित किए जाने चाहिए।ऐसा किए जाने से श्रमदान की प्रवृति में आने वाली क्रांति का उपयोग हम राज्य के अन्तर्गत उन क्षेत्रों में भी कर सकेंगे जो आज तक अदृश्य हैं।

चौथेः विकास योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के अन्दर पूर्ण कर लिए जाने से भी हम विकास योजनाओं में होने वाले अतिरिक्त व्यय की बचत कर सकते हैं । कभी-कभी ऐसी स्थिति आती है कि समय पर योजनाओं के निर्माण नहीं होने से योजनाओं के निर्माण-लागत में वृद्धि हो जाती है । इस हेतु सरकारी प्रावधानों के अन्तर्गत कार्य-प्राक्कलनों में पुनरीक्षण कर उनका अद्यतीकरण कर बढ़े संशोधित मूल्य पर कार्य निर्माण कराया जाता है । सरकार को चाहिए कि जब भी कार्य प्राक्कलनों में समय पक्ष के चलते हुई मूल्य वृद्धि के आधार पर पुनरीक्षण किया जाना जरूरी हो तो पहले वह इसकी समीक्षा करे कि कार्य में विलम्ब के लिए कौन-कौन से व्यक्ति /पदधारी जिम्मेवार हैं ,फिर उसकी समीक्षा कर दायित्व तय करते हुए योजना लागत के अतिरेक की समानुपातिक वसूली दोषी व्यक्तियों से करे न कि सरकारी राजस्व से उस अतिरेक मूल्य की पूर्ति की व्यवस्था करे । उपर्युक्त सुझाए गये उपायों को अपना कर सरकार अपनी विकास योजनाओं में होने वाले व्यय का कुशल प्रबंधन कर पायेगी एवं योजना व्यय में से होने वाली बचत राशि का उपयोग अन्य आवश्यक क्षेत्रों में कर विकास प्रशासन के लक्ष्य को सहजता से हासिल कर सकती है।

(लेखक झारखंड सरकार के योजना एवं विकास विभाग में सांख्यिकी अधिकारी हैं)

एक महानायक की कहानी : नेताजी सुभाष चंद्र बोस और पराक्रम दिवस

लेखक-सुनील कुमार महला

23 जनवरी को, वर्ष 2021 से भारत में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में, यह दिवस भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर उनके अदम्य साहस, उनकी वीरता और राष्ट्रप्रेम को समर्पित है। पाठकों को बताता चलूं कि नेताजी का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओड़िशा के कटक शहर में हुआ था तथा इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में हम उनकी 129वीं जयंती मनाने जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पहला पराक्रम दिवस कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में आयोजित किया गया था, जबकि वर्ष 2022 में नई दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी की भव्य होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया गया।नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती दत्त बोस था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रेवेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल में हुई और आगे चलकर उन्होंने कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया। यहीं से उनके भीतर ब्रिटिश शासन के प्रति विरोध की भावना और अधिक प्रबल हुई। जानकारी मिलती है कि प्रेसीडेंसी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एक अंग्रेज प्रोफेसर ओटीन द्वारा भारतीयों के प्रति की गई नस्लीय टिप्पणी का उन्होंने खुलकर विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें कॉलेज से निष्कासित कर दिया गया था।वर्ष 1919 में सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय सिविल सेवा (आइसीएस) की परीक्षा उत्तीर्ण की और चौथा स्थान प्राप्त किया, जो उस समय किसी भी भारतीय के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि थी। किंतु देशसेवा को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने इस प्रतिष्ठित पद से इस्तीफा दे दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उनके क्रांतिकारी विचारों और गतिविधियों के कारण उन्हें 1921 से 1941 के बीच 11 बार जेल जाना पड़ा। यह एक रोचक तथ्य है कि 1930 में जेल में रहते हुए ही वे कलकत्ता के मेयर भी चुने गए। नेताजी स्वामी विवेकानंद से अत्यधिक प्रभावित थे और उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे। उनके राजनीतिक गुरु देशबंधु चित्तरंजन दास थे तथा वे रामकृष्ण परमहंस, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के आनंद मठ तथा भारतीय दर्शन से भी प्रेरित थे। उन्होंने पश्चिमी और भारतीय विचारों का अद्भुत समन्वय किया। वर्ष 1921 में उन्होंने चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र 'फॉरवर्ड' के संपादन का कार्य भी संभाला। पाठकों को बताता चलूं कि नेताजी पूर्ण स्वराज के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने मोतीलाल नेहरू रिपोर्ट का विरोध किया, जिसमें भारत को डोमिनियन स्टेटस देने की बात कही गई थी। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देता चलूं कि डोमिनियन स्टेटस ब्रिटिश साम्राज्य की वह राजनीतिक व्यवस्था थी, जिसके अंतर्गत किसी उपनिवेश को आंतरिक स्वशासन प्रदान किया जाता था, लेकिन वह देश ब्रिटिश क्राउन (राजा/रानी) के अधीन ही रहता था। ऐसे देशों को अपने घरेलू मामलों में स्वतंत्रता होती थी, पर विदेश नीति, रक्षा और संवैधानिक सर्वोच्चता में ब्रिटेन का प्रभाव बना रहता था। भारत के संदर्भ में डोमिनियन स्टेटस का अर्थ था कि भारत एक स्वशासित राष्ट्र बन जाए, किंतु पूर्ण स्वतंत्र गणराज्य न होकर ब्रिटिश सम्राट को अपना संवैधानिक प्रमुख माने। इसी कारण महात्मा गांधी और कांग्रेस के कई नेताओं ने प्रारंभ में डोमिनियन स्टेटस को अपूर्ण स्वतंत्रता मानते हुए अस्वीकार किया और बाद में पूर्ण स्वराज की माँग को लक्ष्य बनाया।संक्षेप में कहें तो, डोमिनियन स्टेटस स्वतंत्रता की दिशा में एक अंतरिम और सीमित व्यवस्था थी, न कि संपूर्ण स्वतंत्रता। वे 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रहे और गांधी-इरविन समझौते तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन के स्थगन का विरोध किया। दूसरे शब्दों में कहें तो सुभाष चन्द्र बोस नमक सत्याग्रह के वैचारिक, संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर सक्रिय सहभागी थे, भले ही वे दांडी मार्च के प्रत्यक्ष सत्याग्रही न रहे हों। यद्यपि महात्मा गांधी से उनके वैचारिक मतभेद थे, फिर भी 'राष्ट्रपिता' कहकर गांधी जी को संबोधित करने वाले वे पहले नेता थे। यहां यह भी गौरतलब है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नेताजी ने जर्मनी से 'आज़ाद हिंद रेडियो' की शुरुआत की, जिसके माध्यम से उन्होंने भारतीयों को ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जागरूक किया। उनका प्रसिद्ध नारा तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा भारत में नहीं, बल्कि बर्मा (म्यांमार) में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए दिया गया था। 'दिल्ली चलो' का नारा भी उन्हीं की देन है। यह भी कम लोग जानते हैं कि रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन गण मन' को राष्ट्रगान के रूप में सबसे पहले आज़ाद हिंद फौज ने अपनाया। इतना ही नहीं, नेताजी ने जापान की सहायता से अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को अंग्रेजों से मुक्त कराया और वहाँ पहली बार स्वतंत्र भारत का झंडा फहराया तथा उनके नेतृत्व में गठित आज़ाद हिंद सरकार को जापान, जर्मनी, इटली सहित लगभग 9 देशों ने मान्यता दी थी। आजाद हिंद फौज का गठन 1942 में हुआ था। मान्यता देने वालों में क्रोएशिया, बर्मा, थाईलैंड, फिलीपींस, मंचूरिया और चीन गणराज्य (वांग जिंगवेई के अधीन) भी शामिल थे। उन्होंने 'रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट'(आइएनए महिला रेजीमेंट) का गठन किया, जो एशिया की पहली पूर्णतः महिला सैन्य टुकड़ी थी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय सेना (आइएनए,जिसे आजाद हिंद फौज भी कहा जाता है) का गठन प्रारंभ में कैप्टन मोहन सिंह और जापानी मेजर इविची फुजिवारा के नेतृत्व में हुआ। इसमें ब्रिटिश-भारतीय सेना के युद्धबंदी, सिंगापुर की जेलों में बंद भारतीय तथा दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीय नागरिक शामिल थे। बाद में इसकी संख्या बढ़कर लगभग 50,000 हो गई। वर्ष 1944 में आइएनए ने इम्फाल और बर्मा में मित्र देशों की सेनाओं से मुकाबला किया। नवंबर 1945 में जब अंग्रेजों ने आइएनए के सैनिकों पर मुकदमे चलाए, तो पूरे भारत में व्यापक जन-आंदोलन हुआ। नेताजी केवल क्रांतिकारी नेता ही नहीं थे, बल्कि वे उपनिषद, गीता, वेदांत और योग दर्शन के गंभीर अध्येता भी थे। वे मानते थे कि भारत की स्वतंत्रता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। 'जय हिंद' का नारा उन्होंने स्वयं नहीं गढ़ा, लेकिन इसे आज़ाद हिंद फौज का आधिकारिक अभिवादन बनाकर जन-जन तक पहुँचाया। आज यह भारत का राष्ट्रीय अभिवादन है। द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के बाद 16 अगस्त 1945 को जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया।

अभिषेक शर्मा का टी20 में ऐतिहासिक रिकॉर्ड

इंडिया-न्यूज़ीलेंडः रसेल-मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पछाड़ा

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए टी20 मुकाबले में अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी ने सिर्फ मैच का रुख ही नहीं बदला, बल्कि टी20 क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक में भी नया अध्याय जोड़ दिया। 35 गेंदों पर 84 रन की उनकी तूफानी पारी चर्चा में रही, लेकिन असली सुर्खी उनके करियर माइलस्टोन ने बटोरी। इस पारी के दौरान अभिषेक पुरुषों के टी20 क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए, जिसने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी को नए स्तर पर पहुंचा दिया।

सबसे तेज 5000 रनः अभिषेक शर्मा का ऐतिहासिक रिकॉर्ड– अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 2898 गेंदों में 5000 रन पूरे कर लिए, जो पुरुषों के टी20 क्रिकेट में अब तक का सबसे तेज़ रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मामले में आंद्रे रसेल (2942 गेंदें) को पीछे छोड़ दिया। इस लिस्ट में टिम डेविड, विल जैक्स और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज़ भी शामिल हैं, लेकिन अभिषेक ने सभी को पीछे छोड़ते हुए खुद को सबसे ऊपर स्थापित किया।

टी20 का असली पैमाना

टी20 क्रिकेट में पारियों या मैचों के आधार पर आंकड़े कई बार भ्रम पैदा कर सकते हैं। नॉटआउट रहना, बल्लेबाजी क्रम या छोटी चेज जैसे फैक्टर आंकड़ों को प्रभावित करते हैं। ऐसे में '5000 रन बनाने में खेली गई गेंदें' किसी बल्लेबाज़ की वास्तविक आक्रामकता और निरंतरता को मापने का सबसे सटीक तरीका है। यह बताता है कि कोई बल्लेबाज़ मौके मिलने पर कितनी तेज़ी से रन बनाता है, चाहे उसकी भूमिका कुछ भी हो।

स्ट्राइक रेट ने खोली असली तस्वीर

अगर अभिषेक के इस रिकॉर्ड को स्ट्राइक रेट में बदला जाए, तो तस्वीर और साफ हो जाती है। 2898 गेंदों में 5000 रन का मतलब लगभग 172 का स्ट्राइक रेट। यह सिर्फ एक मैच या सीरीज़ का नहीं, बल्कि पूरे करियर का औसत है। आंद्रे रसेल का यह आंकड़ा लगभग 170 के आसपास है, जबकि बाकी टॉप बल्लेबाज़ 160 से नीचे रहते हैं। यह दिखाता है कि इतने लंबे समय तक इस रफ्तार को बनाए रखना कितना कठिन है।

- **पावरप्ले में आक्रमण : विरोधियों की रणनीति पर असर–** अभिषेक शर्मा की बल्लेबाज़ी का सबसे बड़ा हथियार पावरप्ले में आक्रामक रुख है। वह शुरुआती ओवरों में सिर्फ टिकने की बजाय बढ़त बनाने की कोशिश करते हैं। इसका असर यह होता है कि विरोधी कप्तानों को जल्दी रक्षात्मक फील्ड लगानी पड़ती है और गेंदबाज़ों के लिए विकेट और रन रोकने के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो जाता है। कई बार टीमें शुरुआती ओवरों में ही अपने पसंदीदा मैच-अप खो बैठती हैं।

सिंधू क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं, अब चीन की चेन यू फी से सामना

लक्ष्य सेन भी अंतिम-आठ में

जकार्ता, एजेंसी। भारत की पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य ने जेसन गुनेवान को आसानी से हराया, जबकि सिंधू ने डेनमार्क की क्यारीफेल्ट को कड़े मुकाबले में मात दी। अब सिंधू का सामना दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चेन यू फी से होगा, जिनके खिलाफ सिंधू पिछली बार 2019 में जीती थीं। जकार्ता में चल रहे इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

लक्ष्य सेन का एकतरफा मुकाबला– लक्ष्य सेन ने शानदार अंदाज में शुरुआत करते हुए हांगकांग चीन के जेसन गुनेवान को 21-10, 21-11 से मात दी। मुकाबला आधे घंटे से थोड़ा अधिक चला और लक्ष्य ने रफ्तार एवं नियंत्रण दोनों में बढ़त बनाए रखी। यह जीत लक्ष्य के आत्मविश्वास में और इजाफा करेगी।

सिंधू ने डेनमार्क की खिलाड़ी को हराया– पीवी सिंधू, जो दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट हैं, ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क क्यारीफेल्ट को 21-19, 21-18 से हराया। मुकाबला 43 मिनट तक चला। यह सिंधू की इस खिलाड़ी के खिलाफ छठी भिड़ंत में पांचवीं जीत थी, जो उनकी बढ़त को दर्शाती है।

Australian Open

सबालेंका, गॉफ, अल्कारेज और ज्वेरेव का शानदार प्रदर्शन, तीसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गईं जबकि पुरूष वर्ग में कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अपने मुकाबले जीत गए। दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गॉफ आस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गईं जबकि पुरूष वर्ग में कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जेंडर ज्वेरेव भी अपने मुकाबले जीत गए।

ग्लेन फिलिप्स ने वरुण चक्रवर्ती की गेंद को समझने का तरीका बताया

नागपुर, एजेंसी। भी रहस्यमयी स्पिनर को समझना बहुत मुश्किल काम होता है लेकिन न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स उन चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक के रूप में तेजी से उभर रहे हैं जिन्होंने कम से कम कुछ हद तक इस रहस्य को सुलझा लिया है। बुधवार को यहां भारत के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में, न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ने न केवल अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से बल्कि वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिनर का सामना करने के अपने स्पष्ट तरीके के लिए भी लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा।

फिलिप्स ने पहले मैच में वरुण चक्रवर्ती का डटकर सामना किया और उनके खिलाफ कुछ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने कहा कि संतुलन, सिर की सही स्थिति और गेंद फेंकते समय अधिकतम जानकारी हासिल करने से ही वह इस गेंदबाज के खिलाफ सफल रहे। फिलिप्स ने मैच के बाद कहा, 'उसे समझना बहुत मुश्किल है। वह बहुत अच्छी लेंथ और तेज गति से गेंदबाजी करता है। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से सही पोजीशन में आना, अपना ध्यान सही जगह पर रखना और उसके हाथों की सही स्थिति का

अधिक से अधिक सही आकलन करना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'हर कोई अलग तरह से खेलता है और जिन पिचों पर गेंद ज्यादा घूमती है, वहां वह और भी मुश्किल हो जाता है। आज हम जिस तरह की पिच पर खेले उसमें बहुत ज्यादा टर्न नहीं था। इस तरह की पिच पर खेलना कभी-कभी आसान हो जाता है लेकिन इसके बावजूद उसकी गेंद का सामना करना आसान नहीं होता है। मुझे लगता है कि हर किसी को उससे निपटने के अपने-अपने तरीके खोजने होंगे।'

फिलिप्स ने वरुण की 9 गेंदों का सामना किया जिनमें उन्होंने दो गगनचुंबी छक्कों सहित 19 रन बनाए और केवल एक डॉट बॉल खेली। फिलिप्स से यह भी पूछा गया कि क्या लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे तेज गेंदबाज अभिषेक शर्मा को रोकने के लिए बेहतर विकल्प हो सकते थे, जिन्होंने भारत को शीर्ष क्रम में धमाकेदार शुरुआत दिलाई थी। फिलिप्स ने कहा, 'यह मुश्किल सवाल है। मेरा कहने का मतलब यह है कि उसने आईपीएल के सबसे खतरनाक तेज गेंदबाजों के खिलाफ ऐसा किया है, कभी-कभी जब कोई खिलाड़ी ऐसी फॉर्म में होता है तो आप कोशिश करते हैं कि गेंद को सबसे अच्छी जगह पर डालें और उम्मीद करते हैं कि वह कोई गलती करे।'

भारतीय घुड़सवारी महासंघ की मनमानी!

बिना चयन ट्रायल चुनी टीम, खिलाड़ियों का भविष्य दांव पर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ केंद्र सरकार खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, दूसरी ओर भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) की लापरवाही और मनमानी से घुड़सवारों का भविष्य अंधेरे में लटक गया है। जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में जार्डन में होने वाले विश्व कप क्वालिफायर के लिए महासंघ ने बिना चयन ट्रायल के ही चार खिलाड़ियों और एक कोच के नाम अंतरराष्ट्रीय टेंट पेगिंग महासंघ (आईटीपीएफ) को भेज दिए हैं। इस कारण कई प्रतिभाशाली घुड़सवार परेशान हैं। महासंघ की कार्यकारी समिति ने विश्व कप क्वालिफायर्स के लिए चार एथलीटों के साथ कर्नल (रिटायर्ड) तरसेम सिंह को कोच-सह-प्रबंधक के रूप में नामित किया है, लेकिन इस चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी साफ झलक रही है। महासंघ ने पहले 5 से 12 जनवरी तक राष्ट्रीय घुड़सवारी प्रतियोगिता के लिए आरटीसी हरियाणा पुलिस से जगह मांगी थी। उसके बाद 13 से 16 जनवरी तक गुरुग्राम के आरटीसी भोंडसी में भारतीय टीम के लिए चयन ट्रायल होने थे। हालांकि, ट्रायल शुरू होने से पहले ही महासंघ ने 21 संभावित खिलाड़ियों की सूची जारी की, जो अगले ही दिन गणना में गलती का हवाला देकर 16 पर सिमट गई। बता दें कि टेंट पेगिंग विश्व कप क्वालिफायर जॉर्डन में 29 से 31 जनवरी 2026 तक है। इस टूर्नामेंट 5 खिलाड़ियों की टीम हिस्सा लेती है। हालांकि, बिना चयन ट्रायल के 4 खिलाड़ियों और कोच के नाम की सूची भेज दी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर कई खिलाड़ियों ने एक स्वर में कहा कि कर्नल (सेवानिवृत्त) तरसेम सिंह कोच बनने की जल्दबाजी में थे, इसलिए उन्होंने ग्राउंड जूरी के अध्यक्ष कर्नल (सेवानिवृत्त) अशोक कुमार यादव के साथ मिलकर यह सूची तैयार की। खिलाड़ियों का कहना है कि जब उन लोगों ने नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए, तो महासंघ ने ट्रायल रोक दिए और नई तारीखों का वादा किया, लेकिन ट्रायल हुआ नहीं। इसके बजाय, आनन-फानन में एक नई सूची जारी कर चार खिलाड़ियों और कोच के नाम आईटीपीएफ को भेज दिए गए।

यूटीसीए क्रिकेटर अदिति श्योराण को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

चण्डीगढ़, एजेंसी। चण्डीगढ़, यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए), चण्डीगढ़ से अंडर-15 और 19 बीसीसीआइ स्तर पर खेलने वाली युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को हरियाणा की महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक ने खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा है। एमडीयू खेल विभाग ने यह प्रतिष्ठित सम्मान नार्थ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में अदिति को दिया। एमडीयू कुलपति प्रो.राजबीर सिंह अदिति श्योराण को सम्मान देने पर कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने मजबूत जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई कास उपलब्धियां हासिल कर बेटियों के लिए मिसाल पेश की है। कुलपति ने कहा कि ऐसी होनहार खिलाड़ियों की कॉलेज और यूनिवर्सिटी स्तर पर एमसडीयू पढ़ाई और हॉस्टल निशुल्क करने को लेकर सकारात्मक विचार रखता है। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि डा.शरणजीत कौर ने इस मौके पर कहा कि जब अदिति जैसी बेटियां खेल ही नहीं किसी भी फील्ड में बेहतर करती हैं, तो समाज में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है।

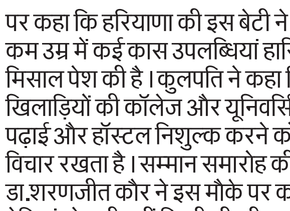

व्यापार

ग्रे मार्केट में मुनाफे के मिल रहे संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। केआरएम आयुर्वेद आईपीओ बीते बुधवार 21 जनवरी को शेयर बाजार में सब्सक्रिप्शन के लिए खुला और पहले ही दिन निवेशकों की नजर इस पर बनी हुई है। पहले ही दिन यह इश्यू पूरी तरह भर गया। इसे 1.22 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। बता दें कि कंपनी ने साफ किया है कि आईपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल मुख्य रूप से वर्किंग कैपिटल की जरूरतों और सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में किया जाएगा। केआरएम आयुर्वेद का यह इश्यू 21 जनवरी से 23 जनवरी तक खुला रहेगा। इसका प्राइस बैंड 128 से 135 प्रति शेयर तय किया गया है। करीब 77.5 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। यह पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है, यानी इसमें किसी भी मौजूदा शेयरधारक द्वारा शेयरों की बिक्री नहीं की जा रही है। आईपीओ का लॉट साइज 2,000 शेयर रखा गया है, जिसके चलते रिटेल निवेशकों को कम से कम 2.70 लाख का निवेश करना होगा। यह आईपीओ एनएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होगा। शेयरों के आरक्षण और अलॉटमेंट की बात करें तो कंपनी ने योग्य संस्थागत निवेशकों के लिए 25.74 लाख शेयर, गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए 7.8 लाख शेयर और रिटेल निवेशकों के लिए 18.2 लाख शेयर आरक्षित किए हैं। आईपीओ का अलॉटमेंट 27 जनवरी को होने की उम्मीद है। जिन निवेशकों को शेयर अलॉट होंगे, उनके डिमैट अकाउंट में 28 जनवरी तक शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। वहीं, जिन निवेशकों को अलॉटमेंट नहीं मिलेगा, उन्हें उसी दिन रिफंड मिल जाएगा।

शॉप फ्लोर पर काम करने वाले छोटे कर्मचारियों को भी लखपति शेयरहोल्डर बना रही है वेदांता कंपनी

समय समय पर उन्हें इंसेंटिव मिले, साल में एक बार बोनस मिले।

बोकारो(प्रातः आवाज)। कर्मचारियों को काम करने में वहां मजा आता है जहां उनकी पूछ हो। समय समय पर उन्हें इंसेंटिव मिले। साल में एक बार बोनस मिले। कंपनी यदि लिस्टेड हो तो कार्यावधि के दौरान बेहद कम कीमत पर कर्मचारियों को शेयर भी दे। अभी वेदांता लिमिटेड खबरों में है, क्योंकि उन्होंने सैकड़ों रुपये का शेयर अपने कर्मचारियों को महज एक रुपया में दे दिया है। पांच साल में यह कंपनी कर्मचारियों को करीब 2,500 करोड़ शेयर बांट चुकी है।

अगुवाई वाले वेदांता लिमिटेड ने पिछले पांच सालों में अपने कर्मचारियों को करीब 2,500 करोड़ शेयर एक रुपया में बांट दिए। मतलब कि कर्मचारियों को ढेरों फायदा। यह फायदा उन्हें बहुत ही कम कीमत पर कंपनी के शेयर देकर हुआ है। इस तरीके से कंपनी

भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सैलरी देने के तरीकों को बदल रही है। कंपनियां इसलिए भी कर्मचारी को शेयर देती है ताकि उसे लगे कि वह भी कंपनी का हिस्सेदार या मालिक है। इससे उन्हें आर्थिक लाभ तो होता ही है, एक अलग अहसास भी होता है, कंपनी के मालिक होने का। बीएसई में आज वेदांता लिमिटेड का शेयर सुबह 11 बजे 675 रुपये पर ट्रेड हो रहा था। लेकिन कंपनी ने अपने कर्मचारियों को यह शेयर फेस वैल्यू पर, मतलब कि एक रुपया में दिया है। कंपनी ने बताया है कि उनके नए श्वस्ल्क 2025 प्लान के तहत करीब 5,000 कर्मचारियों को 500 करोड़ शेयर दिए गए। इस योजना के तहत लाभान्वित होने वाले कर्मचारियों में नए ग्रेजुएट से लेकर तमाम स्टाफ शामिल हैं। इनमें से 1200 कर्मचारी तो पहली बार कंपनी के शेयरधारक बने हैं। इससे एक साल पहले यानी 2024 में भी 5000 से भी ज्यादा कर्मचारियों को 469 करोड़ शेयर दिए गए थे। शेयर का दाम बढ़ने से फायदा कंपनी ने ईएसओपी2022 से अब तक कर्मचारियों को 2500 करोड़ से भी ज्यादा शेयर कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन योजना के तहत दे चुकी है। चूंकि ये शेयर एक रुपया की दर से मिले हैं और शेयर बाजार में इसका दाम अभी काफी ज्यादा है।

500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिना लाइसेंस इस्तेमाल की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वाई-फाई सेवाओं को तेज और बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। दूरसंचार विभाग (डॉट) ने 6 गीगाहर्ट्ज बैंड के निचले हिस्से में मौजूद 500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम को बिना लाइसेंस इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले से घरों, दफ्तरों और सार्वजनिक जगहों पर वाई-फाई की गति और क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। डॉट की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, 5925 से 6425 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी रेंज का इस्तेमाल अब कम पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वाई-फाई सिस्टम के लिए किया जा सकेगा। इसके लिए किसी तरह का लाइसेंस या स्पेक्ट्रम आवंटन लेने की जरूरत नहीं होगी। यानी वाई-फाई उपकरण बिना सरकारी अनुमति के इस स्पेक्ट्रम पर काम कर सकेंगे। सरकार ने यह फैसला करीब छह महीने पहले जारी किए गए मसौदा नोटिफिकेशन के बाद लिया है। हालांकि, इस स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल के लिए कुछ शर्तें भी तय की गई हैं। इसका उपयोग साझा आधार पर होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी अन्य संचार सेवा में बाधा न पड़े। सिग्नल की शक्ति पर भी सीमा रखी गई है, ताकि इसका इस्तेमाल केवल वाई-फाई जैसे कम पावर वाले उपकरणों तक ही सीमित रहे। डॉट ने यह भी स्पष्ट किया है कि 6 गीगाहर्ट्ज बैंड का ऊपरी हिस्सा भविष्य में मोबाइल सेवाओं के लिए आरक्षित रहेगा। इससे वाई-फाई और मोबाइल नेटवर्क के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

केमिकल इंजीनियर का प्लान हुआ चेंज

लैब की जगह यहां किया कमाल, अब 2 लाख महीने की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कल्याणी चवली मूल रूप से हैदराबाद की हैं। पुणे में पली-बढ़ी हैं। वह एक केमिकल इंजीनियर हैं। उन्होंने पुणे के पास तलेगांव में सहृदया फूड्स नाम के स्टार्टअप की नींव रखी है। 2021 में शुरू हुई यह कंपनी ग्रामीण महिलाओं को रोजगार देती है। उपभोक्ताओं को सेहतमंद स्नैक्स और मिठाइयां पहुंचाती है। कल्याणी ने अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री का इस्तेमाल पारंपरिक व्यंजनों को बेहतर बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए किया है। कोरोना महामारी के कारण विदेश में पढ़ाई का उनका प्लान रुक गया। इसके बाद उन्होंने भारत में ही कुछ करने का फैसला किया। उन्होंने पाया कि ग्रामीण महिलाएं बेहतरीन पारंपरिक व्यंजन बनाती हैं। उन्हें लगा कि इन व्यंजनों को दुनिया तक पहुंचाना चाहिए। आज सहृदया फूड्स के पुणे में 2,500 ऑनलाइन और 3,000 ऑफलाइन ग्राहक हैं। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु के साथ न्यूजीलैंड, जापान और अमेरिका जैसे देशों में भी कस्टमर हैं। कंपनी का मंथली रेवेन्यू 2 लाख रुपये से ज्यादा पहुंच गया है।

इंजीनियरिंग से उद्यमिता का सफर

पुणे की रहने वाली 24 वर्षीय केमिकल इंजीनियर कल्याणी चवली के लिए लैब की टेस्ट ट्यूब और रसोई की कड़ाही में कोई खास अंतर नहीं है। मुंबई के प्रतिष्ठित आइसीटी से पढ़ाई करने वाली कल्याणी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाना चाहती थीं। लेकिन, कोरोना महामारी ने उनके रास्ते बदल दिए। इस खाली समय में उन्होंने महाराष्ट्र के पाबल गांव में विज्ञान आश्रम के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम किया। वहां उनकी मुलाकात उन ग्रामीण महिलाओं से हुई जो पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजन बनाने में माहिर थीं। यहीं से उनके मन में सहृदया फूड्स की नींव पड़ी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक का मेल कराना था। कल्याणी ने अपनी इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का इस्तेमाल खाद्य पदार्थों के पोषण को बरकरार रखने के लिए किया। उदाहरण के लिए वह मोरिंगा (सहजन) की चिक्की बनाते समय उसे अधिक गर्म नहीं करतीं ताकि विटामिन-ष्ट नष्ट न हो। उनके उत्पादों में मैदा, रिफाइंड शुगर या किसी भी प्रकार के प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल नहीं होता। सहृदया फूड्स के गारेलु (तेलंगाना का स्नैक), मोरिंगा चिक्की और सप्तधान्य लड्डू जैसे उत्पाद आज पुणे के अलावा दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में बेहद लोकप्रिय हैं। यहां तक कि कैलिफोर्निया के एक मंदिर और जापान के ग्राहक भी उनके मुरीद हैं। कल्याणी का स्टार्टअप केवल मुनाफे के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य सामाजिक बदलाव लाना भी है।

ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड को बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी-ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड को बड़ा ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के बीच कंपनी के शेयर सुस्त नजर आए। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को ड्रोन डेस्टिनेशन के शेयर की कीमत 1.28 प्रतिशत गिरकर 54 रुपये पर आ गई। वहीं, ट्रेडिंग के दौरान शेयर 52 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 182 रुपये है। ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड ने 21 जनवरी 2026 को ह्रस्थ को सूचित किया कि कंपनी को भारती को-ऑपरेटिव लिमिटेड से 1.759 करोड़ मूल्य का वर्क ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह ऑर्डर हरियाणा में अलग-अलग स्थानों पर तैनात 70 कृषि ड्रोनों की कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट के लिए है, जिसमें बैटरी सेट आदि शामिल हैं। यह ऑर्डर भारत सरकार की डिजिटल कृषि को बढ़ावा देने और ड्रोन अपनाने की नीति के अनुरूप है। हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने लिस्टिंग ऑब्लिगेशन्स एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट्स रेगुलेशन, 2015 के रेगुलेशन 33 के संबंध में 30-सितंबर-2025 को खत्म हुई तिमाही के लिए ड्रोन डेस्टिनेशन लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है। राजनीतिक तनाव बढ़ने, वैश्विक बाजारों से कमजोर संकेतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। उतार-चढ़ाव भरे सत्र में सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM
किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)